॥ श्री गणेशाय नमः ॥

जन्मपत्रिका

Ajeet Kanojia
23/02/1985 05:45 AM
Mumbai

निर्मित
astrologyAPI

सामान्य कुंडली विवरण

सामान्य विवरण

जन्म दिनांक	23/02/1985
जन्म समय	05:45
जन्म स्थान	Mumbai
अक्षांश	25 N 44
देशांतर	82 E 41
समय क्षेत्र	+05:30
अयनांश	23:38:59
सूर्योदय	6:28:14
सूर्यास्त	17:57:28

घात चक्र

महीना	वैशाख
तिथि	4,9,14
दिन	मंगलवार
नक्षत्र	रोहिणी
योग	वैधृ
करण	शकुनि
प्रहर	4
चंद्र	8

पंचांग विवरण

तिथि	शुक्ल तृतीया
योग	शुभ
नक्षत्र	उत्तर भाद्रपद
करण	गर

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
योनि	गौ
गण	मनुष्य
नाड़ी	मध्य
जन्म राशि	मीन
राशि स्वामी	गुरु
नक्षत्र	उत्तर भाद्रपद
नक्षत्र स्वामी	शनि
चरण	4
युञ्जा	प्रभाग
तत्त्व	जल
नामाक्षर	न
पाया	ताम्र
लग्न	मकर
लग्न स्वामी	शनि

astrologyapi.com

ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	भाव
सूर्य	--	कुम्भ	10:41:05	शनि	शतभिसा	राहु	दूसरा
चन्द्र	--	मीन	16:33:50	गुरु	उत्तर भाद्रपद	शनि	तिसरा
मंगल	--	मीन	21:31:10	गुरु	रेवती	बुध	तिसरा
बुध	--	कुम्भ	13:47:22	शनि	शतभिसा	राहु	दूसरा
गुरु	--	मकर	10:01:21	शनि	श्रावण	चन्द्र	पहला
शुक्र	--	मीन	22:29:17	गुरु	रेवती	बुध	तिसरा
शनि	--	वृश्चिक	04:20:46	मंगल	अनुराधा	शनि	ग्यारहवाँ
राहु	हाँ	मेष	28:41:42	मंगल	कृतिका	सूर्य	चौथा
केतु	हाँ	तुला	28:41:42	शुक्र	विशाखा	गुरु	दसवां
लग्न	--	मकर	25:46:48	शनि	धनिष्ठा	मंगल	पहला

सूर्य
कुम्भ
शतभिसा
सम

चन्द्र
मीन
उत्तर भाद्रपद
हानिप्रद

मंगल
मीन
रेवती
हानिप्रद

बुध
कुम्भ
शतभिसा
लाभप्रद

गुरु
मकर
श्रावण
हानिप्रद

शुक्र
मीन
रेवती
योगकारक

शनि
वृश्चिक
अनुराधा
लाभप्रद

राहु
मेष
कृतिका
--

केतु
तुला
विशाखा
--

astrologyapi.com

जन्म कुंडली

लग्न कुंडली

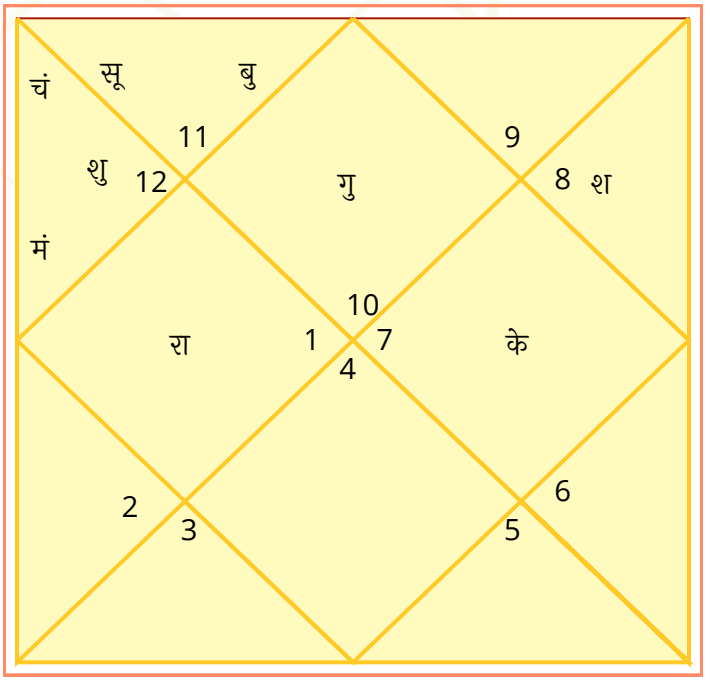

व्यक्ति के जन्म के समय आकाश में पूर्वी क्षितिज जो राशि उदित होती है, उसे ही उसके लग्न की संज्ञा दी जाती है। जन्म कुण्डली में 12 भाव होते है। इन 12 भावों में से प्रथम भाव को लग्न कहा जाता है। कुण्डली में अन्य सभी भावों की तुलना में लग्न को सबसे अधिक महत्व पूर्ण माना जाता है। लग्न भाव बालक के स्वभाव, रुचि, विशेषताओ और चरित्र के गुणों को प्रकट करता है।

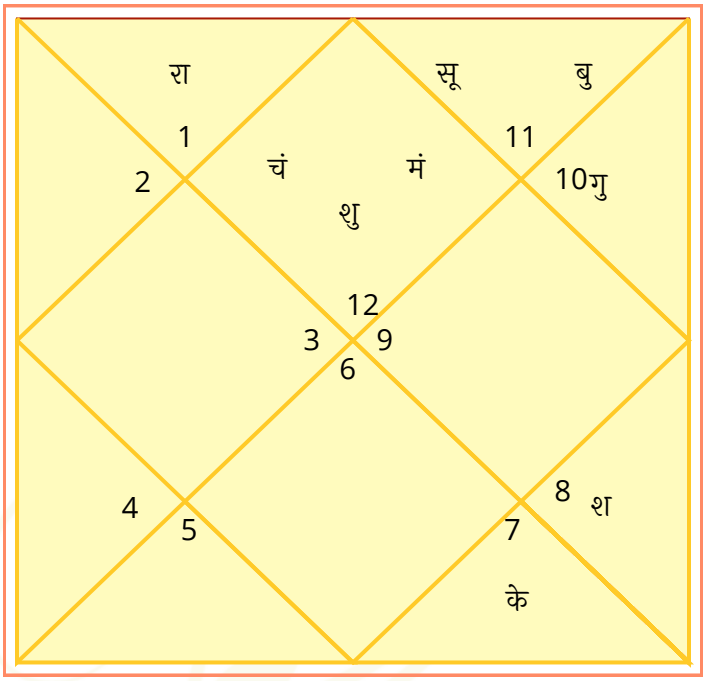

चंद्र कुंडली

लग्न कुंडली के बाद जिस राशि में चंद्रमा होता है उसे लग्न मानकर एक और कुंडली का निर्माण होता है जो चन्द्र कुंडली कहलाती है। चंद्र कुंडली का भी फलित ज्योतिष में लग्न कुंडली जितना ही महत्त्व है। लग्न शरीर, तो चंद्र मन का कारक है और वे एक दूसरे के पूरक हैं।

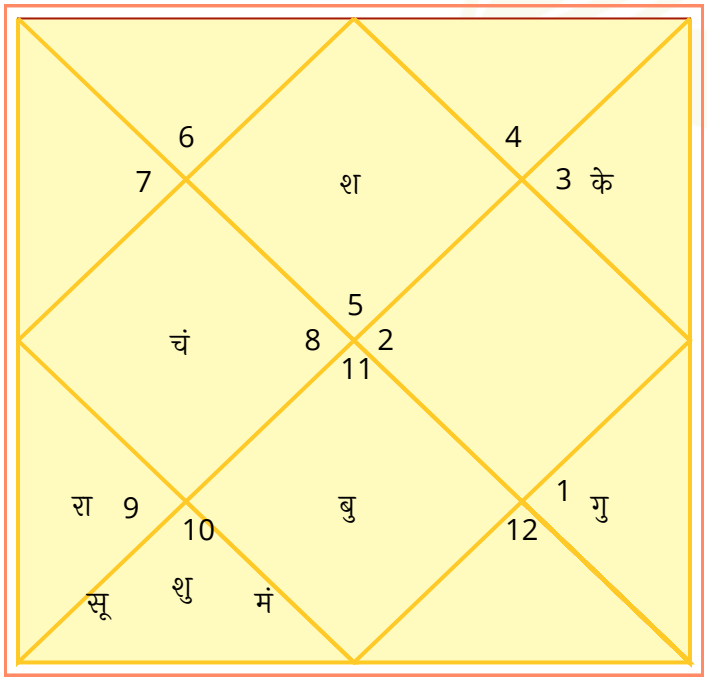

नवमांश कुंडली

नवांश कुण्डली को नौ भागों में बांटा जाता है, जिसके आधार पर जन्म कुण्डली का विवेचन होता है। नवांश कुण्डली में यदि ग्रह अच्छी स्थिति या उच्च के हों तो वर्गोत्तम की स्थित उत्पन्न होती है और व्यक्ति शारीरिक व आत्मिक रुप से स्वस्थ हो शुभ दायक स्थिति को पाता है।

astrologyapi.com

भाव सन्धि

लग्न - 25:46:48 दशम भाव मध्य - 07:44:38

भाव	जन्म राशि	भाव मध्य	जन्म राशि	भाव संधि
1	मकर	25:46:48	कुम्भ	12:46:26
2	कुम्भ	29:46:05	मीन	16:45:43
3	मेष	03:45:22	मेष	20:45:00
4	वृष	07:44:38	वृष	20:45:00
5	मिथुन	03:45:22	मिथुन	16:45:43
6	मिथुन	29:46:05	कर्क	12:46:26
7	कर्क	25:46:48	सिंह	12:46:26
8	सिंह	29:46:05	कन्या	16:45:43
9	तुला	03:45:22	तुला	20:45:00
10	वृश्चिक	07:44:38	वृश्चिक	20:45:00
11	धनु	03:45:22	धनु	16:45:43
12	धनु	29:46:05	मकर	12:46:26

चलित कुंडली

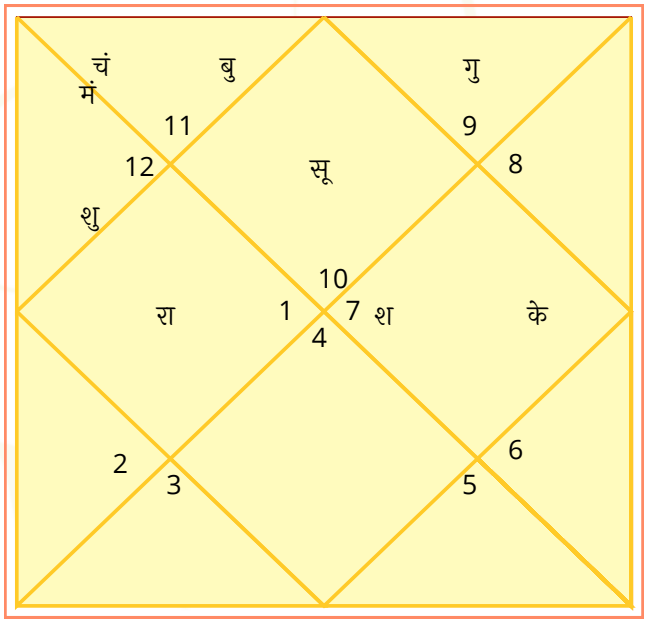

लग्न कुंडली का शोधन चलित कुंडली है, अंतर सिर्फ इतना है कि लग्न कुंडली यह दर्शाती है कि जन्म के समय क्या लग्न है और सभी ग्रह किस राशि में विचरण कर रहे हैं और चलित से यह स्पष्ट होता है कि जन्म समय किस भाव में कौन सी राशि का प्रभाव है और किस भाव पर कौन सा ग्रह प्रभाव डाल रहा है।

astrologyapi.com

वर्ग कुंडली

सूर्य कुंडली

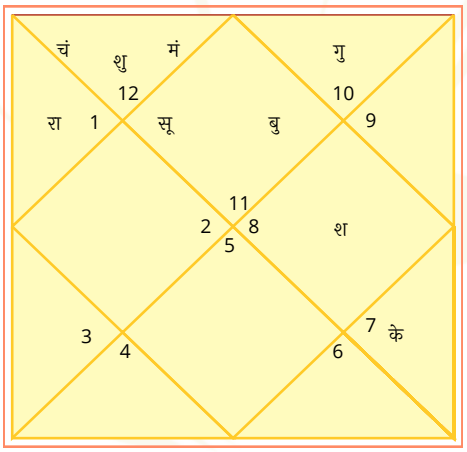

शरीर, स्वास्थ्य, रचना

होरा कुंडली

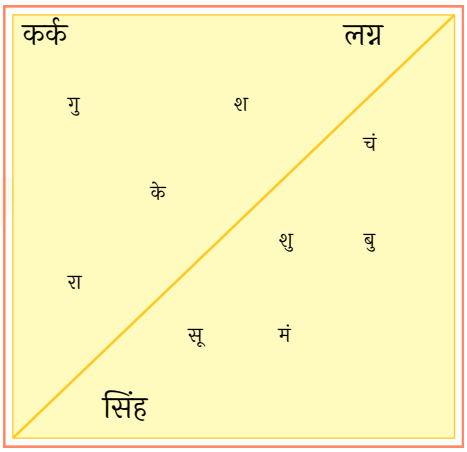

वित्त , धन -सम्पदा, समृद्धि

द्रेष्काण कुंडली

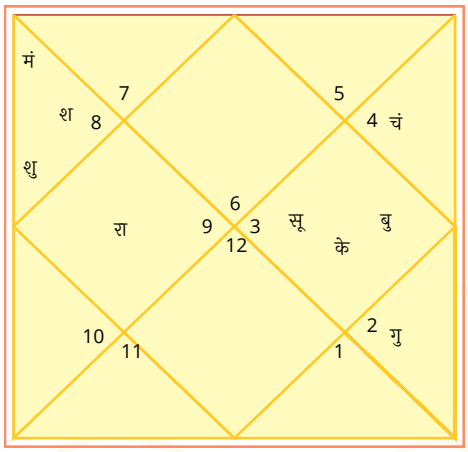

भाई बहन

चतुर्थांश कुंडली

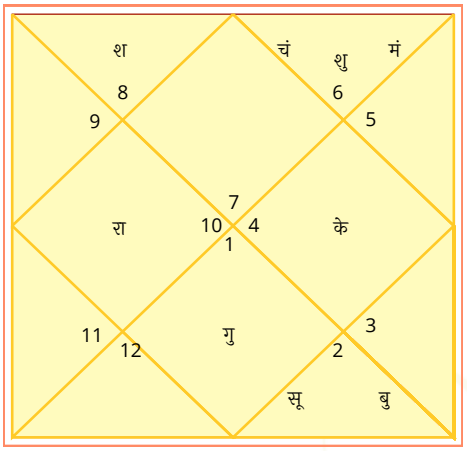

भाग्य

पंचमांश कुंडली

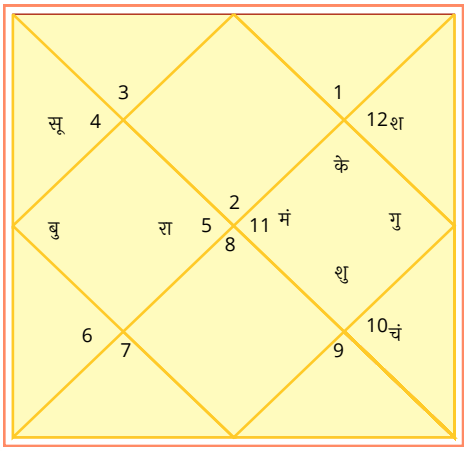

आध्यात्मिकता

सप्तमांश कुंडली

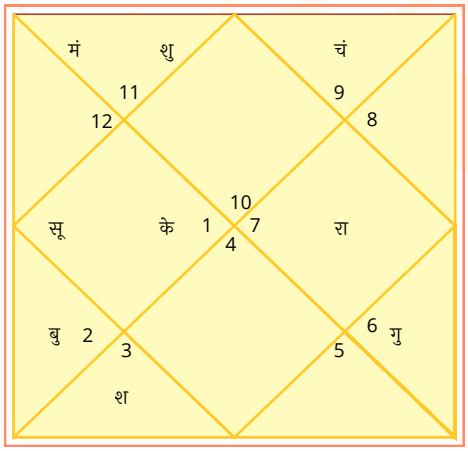

सन्तान

अष्टमांश कुंडली

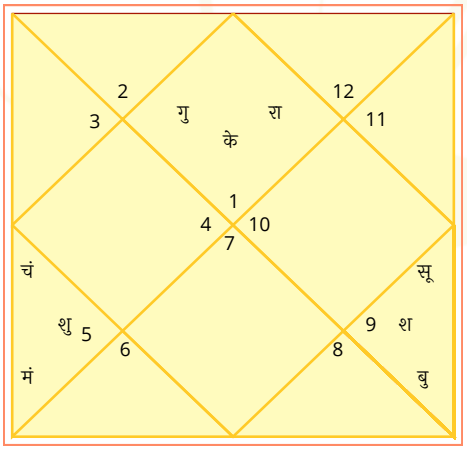

आयु

दशमांश कुंडली

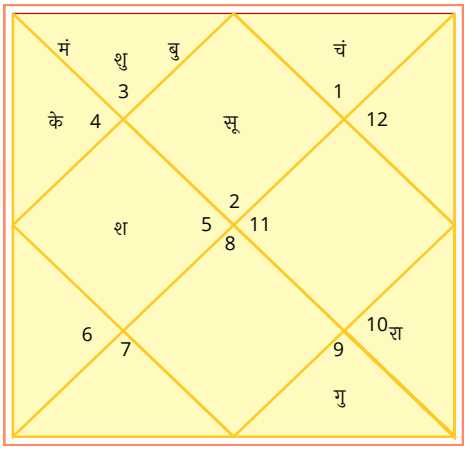

व्यवसाय, जीवनयापन

द्वादशांश कुंडली

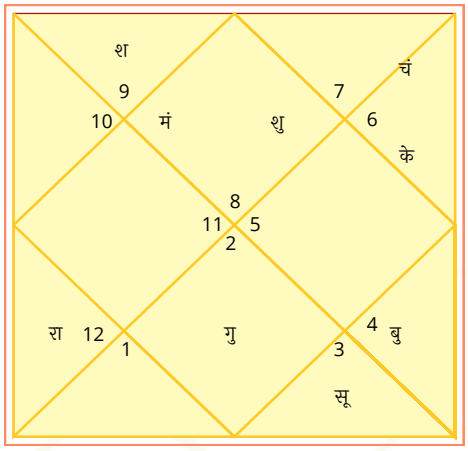

माता-पिता, पैतृक सुख

astrologyapi.com

वर्ग कुंडली

षोडशांश कुंडली

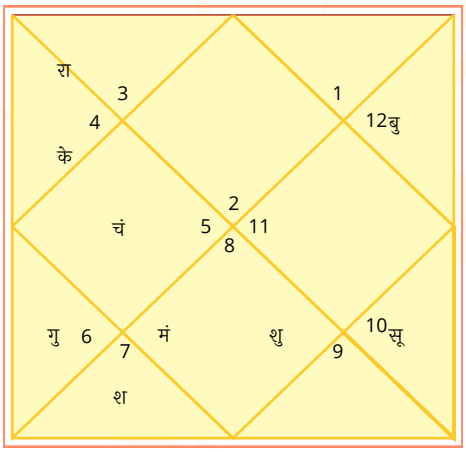

सुख, दुख, वाहन

विशमांश कुंडली

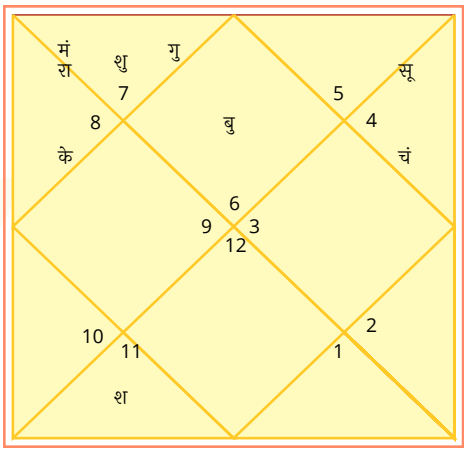

आध्यात्मिक प्रगति एवं पूजा पाठ

चतुर्विंशांश कुंडली

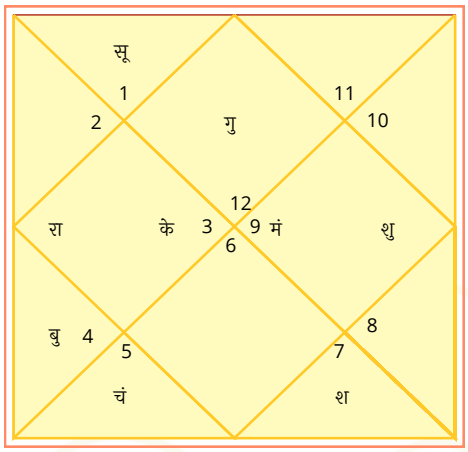

शैक्षणिक उपलब्धि, शिक्षा

भांष कुंडली

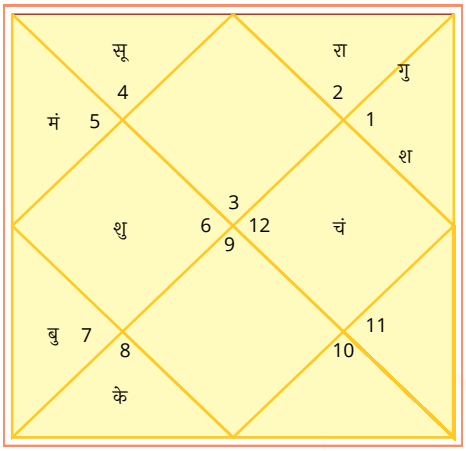

शारीरिक शक्ति, सहनशक्ति

त्रिषमांष कुंडली

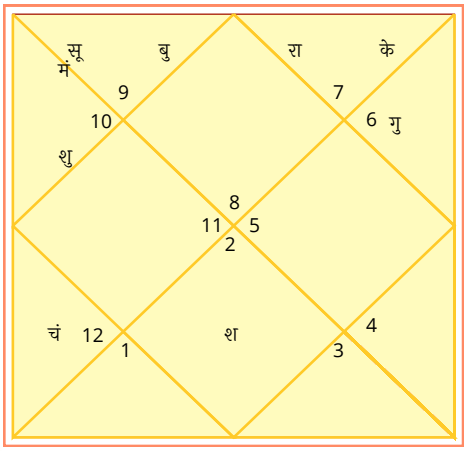

बुराई, विपत्तियां

खवेदांश कुंडली

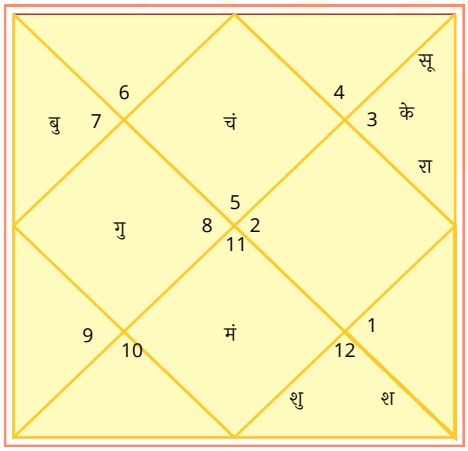

शुभ और अशुभ प्रभाव

अक्षवेदांश कुंडली

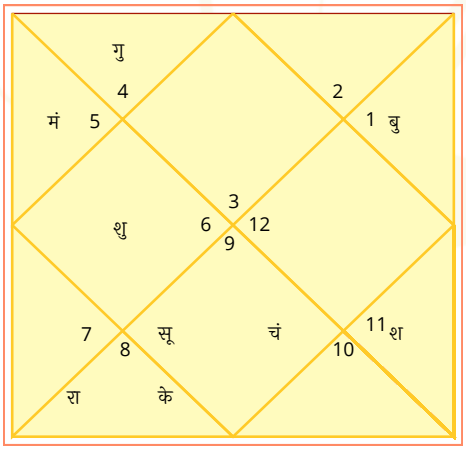

जातक का चरित्र और आचरण

षष्टयांश कुंडली

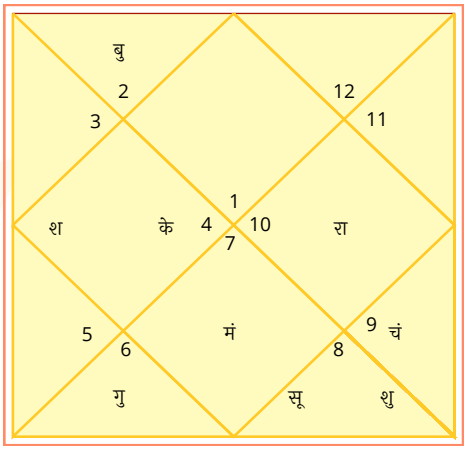

सामान्य खुशियाँ

astrologyapi.com

पंचधा मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	--	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	--	सम	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	--	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	मित्र	शत्रु	सम	--	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	--	शत्रु	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	--	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	--

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	--	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र
चंद्र	मित्र	--	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	शत्रु	--	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
बुध	शत्रु	मित्र	मित्र	--	मित्र	मित्र	मित्र
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	--	मित्र	मित्र
शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	--	शत्रु
शनि	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	--

astrologyapi.com

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	--	अतिमित्र	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	सम
चंद्र	अतिमित्र	--	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	अतिमित्र	सम	--	सम	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु
बुध	सम	सम	मित्र	--	मित्र	अतिमित्र	मित्र
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	--	सम	मित्र
शुक्र	सम	अतिशत्रु	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	--	सम
शनि	सम	अतिशत्रु	अतिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	सम	--

astrologyapi.com

कृष्णमूर्ति पद्धति ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	भाव
सूर्य	--	कुम्भ	310:41:05	शनि	दूसरा
चन्द्र	--	मीन	346:33:50	गुरु	तिसरा
मंगल	--	मीन	351:31:10	गुरु	तिसरा
बुध	--	कुम्भ	313:47:22	शनि	दूसरा
गुरु	--	मकर	280:01:21	शनि	पहला
शुक्र	--	मीन	352:29:17	गुरु	तिसरा
शनि	--	वृश्चिक	214:20:46	मंगल	ग्यारहवाँ
राहु	हाँ	मेष	28:41:42	मंगल	चौथा
केतु	हाँ	तुला	208:41:42	शुक्र	दसवां
लग्न	--	मकर	295:46:48	शनि	पहला

ग्रह	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	चरण	सब	सब-सब
सूर्य	शतभिसा	राहु	2	शनि	शनि
चन्द्र	उत्तर भाद्रपद	शनि	4	गुरु	राहु
मंगल	रेवती	बुध	2	शुक्र	केतु
बुध	शतभिसा	राहु	3	बुध	राहु
गुरु	श्रावण	चन्द्र	1	चन्द्र	चन्द्र
शुक्र	रेवती	बुध	2	चन्द्र	राहु
शनि	अनुराधा	शनि	1	शनि	शुक्र
राहु	कृतिका	सूर्य	1	मंगल	गुरु
केतु	विशाखा	गुरु	3	शुक्र	केतु
लग्न	धनिष्ठा	मंगल	1	राहु	सूर्य

astrologyapi.com

कृष्णमूर्ति पद्धति भाव संधि और कुंडली

भाव	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	सब	सब-सब
1	कुम्भ	319:25:47	शनि	शतभिसा	राहु	मंगल	गुरु
2	मीन	359:04:39	गुरु	रेवती	बुध	शनि	सूर्य
3	वृष	33:35:19	शुक्र	कृतिका	सूर्य	शनि	बुध
4	मिथुन	61:23:37	बुध	मृगशिरा	मंगल	बुध	गुरु
5	मिथुन	85:39:05	बुध	पुनर्वसु	गुरु	बुध	शनि
6	कर्क	110:09:30	चन्द्र	अश्लेषा	बुध	शुक्र	राहु
7	सिंह	139:25:47	सूर्य	पूर्व फाल्गुनी	शुक्र	राहु	शुक्र
8	कन्या	179:04:39	बुध	चित्रा	मंगल	शनि	सूर्य
9	वृश्चिक	213:35:19	मंगल	अनुराधा	शनि	शनि	शनि
10	धनु	241:23:37	गुरु	मूल	राहु	राहु	शुक्र
11	धनु	265:39:05	गुरु	पूर्व षाढ़ा	शुक्र	बुध	शनि
12	मकर	290:09:30	शनि	श्रावण	चन्द्र	केतु	गुरु

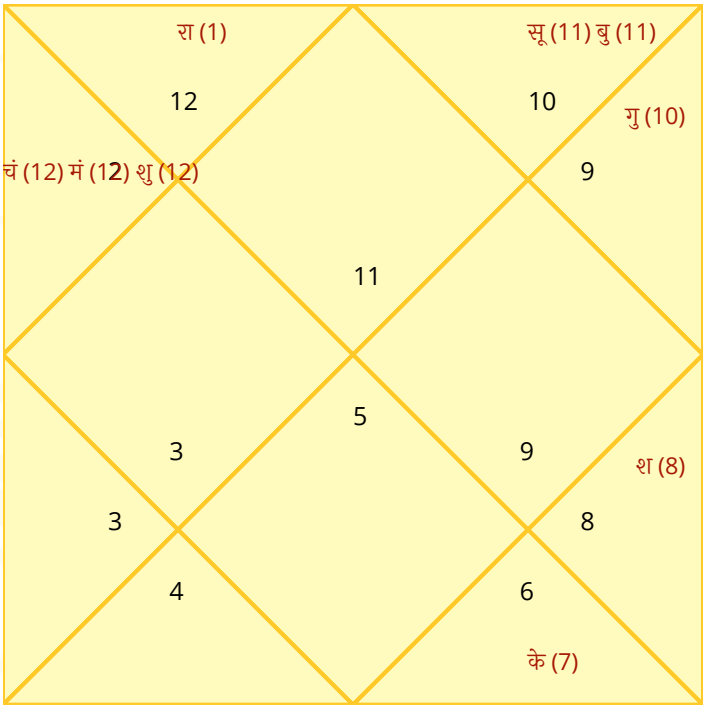

astrologyapi.com

सूर्य भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	0	1	1	0	0	0	1	3
वृषभ	1	1	0	0	1	0	1	0	4
मिथुन	0	0	1	1	1	0	1	1	5
कर्क	0	0	0	1	0	0	1	0	2
सिंह	1	1	0	0	0	1	1	0	4
कन्या	1	0	1	0	1	1	1	0	5
तुला	1	0	1	1	0	0	0	1	4
वृश्चिक	1	0	1	1	1	0	1	1	6
धनु	1	1	1	1	0	0	1	1	6
मकर	0	1	1	1	0	0	0	0	3
कुंभ	1	0	0	0	0	1	1	0	3
मीन	1	0	1	0	0	0	0	1	3

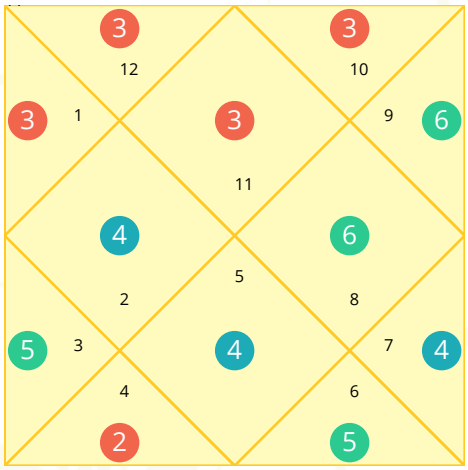

अभिप्राय

पिता

व्यक्तिगत प्रभाव

राजकीय कृपा

सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित

astrologyapi.com

चंद्र भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	1	0	1	1	1	0	1	0	5
वृषभ	0	1	1	1	0	1	0	0	4
मिथुन	0	0	0	1	0	1	0	1	3
कर्क	1	0	1	0	1	1	0	0	4
सिंह	1	1	1	1	1	0	0	0	5
कन्या	1	1	0	1	0	1	1	0	5
तुला	0	0	0	0	1	0	0	1	2
वृश्चिक	1	0	1	1	1	1	0	1	6
धनु	1	1	1	1	1	1	0	0	6
मकर	0	1	1	0	1	1	1	0	5
कुंभ	0	0	0	1	0	0	0	0	1
मीन	0	1	0	0	0	0	1	1	3

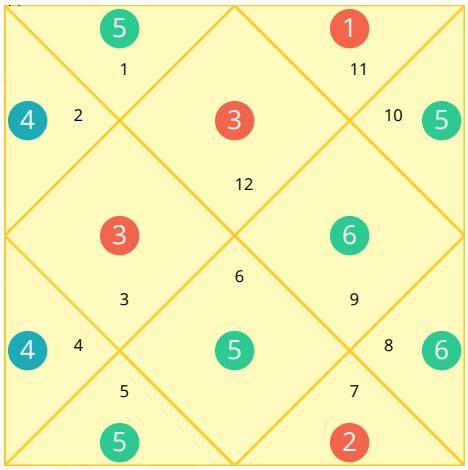

अभिप्राय

माता | मन | भावना | बुद्धि

सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित

astrologyapi.com

मंगल भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	1	0	1	1	0	0	0	0	3
वृषभ	0	1	0	0	0	0	1	0	2
मिथुन	1	0	1	1	1	0	1	1	6
कर्क	1	0	0	1	0	0	1	0	3
सिंह	0	1	0	0	0	1	1	0	3
कन्या	0	0	1	0	0	0	1	0	2
तुला	0	0	1	0	1	1	0	1	4
वृश्चिक	1	0	0	0	1	0	1	1	4
धनु	1	0	1	1	1	0	0	0	4
मकर	0	1	1	0	0	1	0	1	4
कुंभ	0	0	0	0	0	1	1	0	2
मीन	0	0	1	0	0	0	0	1	2

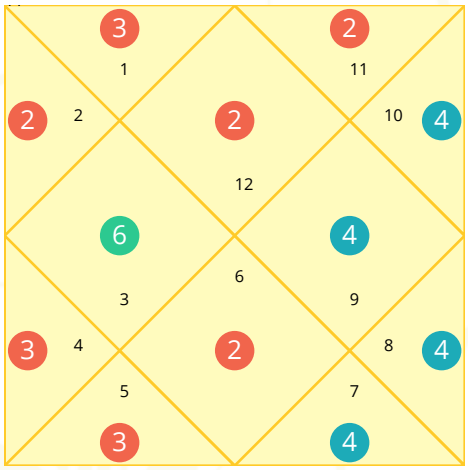

अभिप्राय

भाई-बहन | भूमि-संपत्ति | दुध?टना | विवाद

सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित

astrologyapi.com

बुध भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	1	1	1	0	1	0	1	5
वृषभ	0	0	0	0	0	1	1	0	2
मिथुन	1	1	1	1	1	1	1	1	8
कर्क	1	0	0	1	0	1	1	0	4
सिंह	0	1	0	0	1	0	1	1	4
कन्या	0	0	1	0	0	0	1	0	2
तुला	1	1	1	1	0	1	0	1	6
वृश्चिक	0	0	1	1	1	1	1	1	6
धनु	1	1	1	1	1	0	1	0	6
मकर	1	1	1	1	0	1	0	1	6
कुंभ	0	0	0	1	0	0	1	1	3
मीन	0	0	1	0	0	1	0	0	2

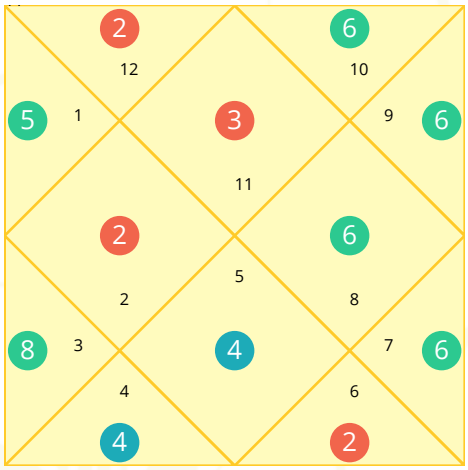

अभिप्राय

रिश्तेदार | वक्तृता | विवेकबुद्धि | शिक्षा

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

astrologyapi.com

गुरु भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	1	1	1	0	1	1	1	1	7
वृषभ	1	0	0	1	0	0	0	1	3
मिथुन	0	0	1	1	0	0	0	1	3
कर्क	0	1	0	1	1	1	0	1	5
सिंह	1	0	0	0	1	1	0	0	3
कन्या	1	1	1	0	0	0	0	1	4
तुला	1	0	1	1	1	0	1	1	6
वृश्चिक	1	1	0	1	1	1	0	1	6
धनु	1	0	1	1	0	1	0	0	4
मकर	0	1	1	0	1	1	1	1	6
कुंभ	1	0	0	1	1	0	0	1	4
मीन	1	0	1	1	1	0	1	0	5

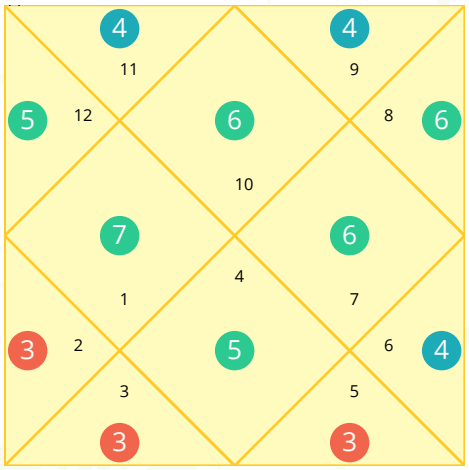

अभिप्राय

संतान | सम्मान | धार्मिक कर्म | सीखना | भाग्य

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

astrologyapi.com

शुक्र भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	1	0	1	0	1	0	1	4
वृषभ	0	1	1	0	1	1	0	1	5
मिथुन	0	1	0	1	0	1	1	0	4
कर्क	0	1	1	1	0	1	1	0	5
सिंह	0	0	1	0	1	0	1	1	4
कन्या	1	0	0	0	1	0	1	1	4
तुला	0	1	0	1	1	1	0	0	4
वृश्चिक	0	1	1	0	1	1	0	1	5
धनु	1	0	0	1	0	1	0	0	3
मकर	1	1	1	0	0	1	1	1	6
कुंभ	0	1	1	0	0	0	1	1	4
मीन	0	1	0	0	0	1	1	1	4

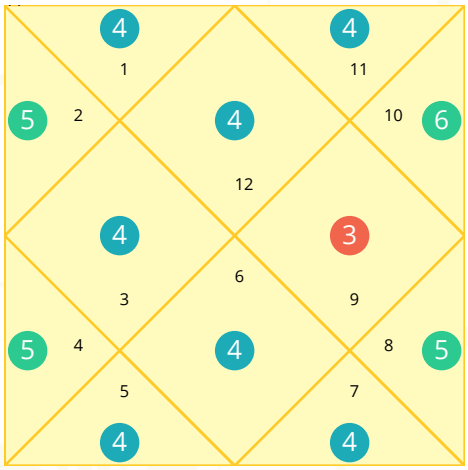

अभिप्राय

पति या पत्नी | विवाह | वाहन | आभूषण

सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित

astrologyapi.com

शनि भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	0	0	0	0	0	1	1	2
वृषभ	1	1	1	0	1	0	0	0	4
मिथुन	0	0	0	0	1	0	0	1	2
कर्क	0	0	1	1	0	0	0	0	2
सिंह	1	1	1	0	0	1	0	0	4
कन्या	1	0	0	1	0	0	1	0	3
तुला	0	0	0	1	0	0	0	1	2
वृश्चिक	1	0	0	1	1	0	0	1	4
धनु	1	0	1	1	1	0	0	0	4
मकर	0	1	1	1	0	1	1	1	6
कुंभ	1	0	1	0	0	1	0	0	3
मीन	1	0	0	0	0	0	1	1	3

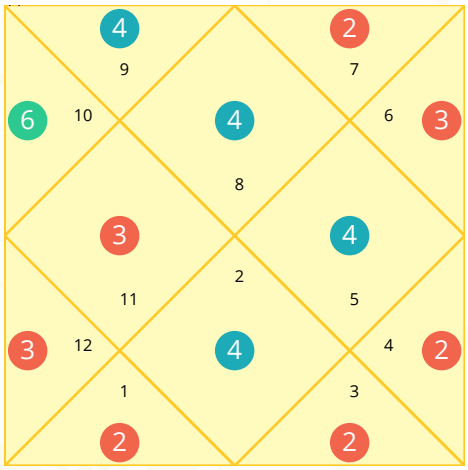

अभिप्राय

कर्मचारी | जीविका | कष्ट व शोक

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

astrologyapi.com

लग्न भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	1	0	0	0	1	1	1	0	4
वृषभ	1	1	1	1	1	1	0	0	6
मिथुन	0	0	0	0	1	1	0	1	3
कर्क	1	0	0	1	1	1	0	0	4
सिंह	0	1	1	0	0	0	1	0	3
कन्या	0	0	0	1	1	0	1	0	3
तुला	0	0	0	0	1	1	0	1	3
वृश्चिक	1	0	0	1	1	1	1	1	6
धनु	1	1	1	1	0	0	0	0	4
मकर	1	1	1	0	1	0	1	0	5
कुंभ	0	1	0	1	1	0	1	0	4
मीन	0	0	1	1	0	1	0	1	4

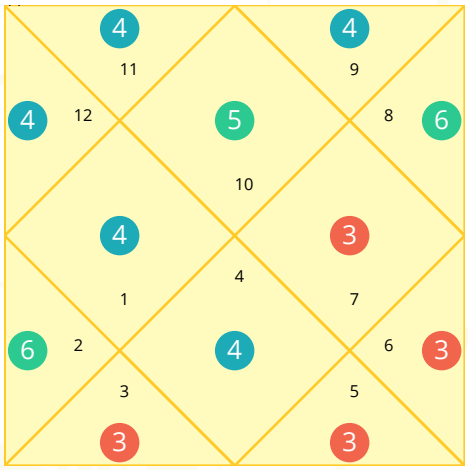

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

astrologyapi.com

सर्वाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	3	5	3	5	7	4	2	0	29
वृषभ	4	4	2	2	3	5	4	0	24
मिथुन	5	3	6	8	3	4	2	0	31
कर्क	2	4	3	4	5	5	2	0	25
सिंह	4	5	3	4	3	4	4	0	27
कन्या	5	5	2	2	4	4	3	0	25
तुला	4	2	4	6	6	4	2	0	28
वृश्चिक	6	6	4	6	6	5	4	0	37
धनु	6	6	4	6	4	3	4	0	33
मकर	3	5	4	6	6	6	6	0	36
कुंभ	3	1	2	3	4	4	3	0	20
मीन	3	3	2	2	5	4	3	0	22

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

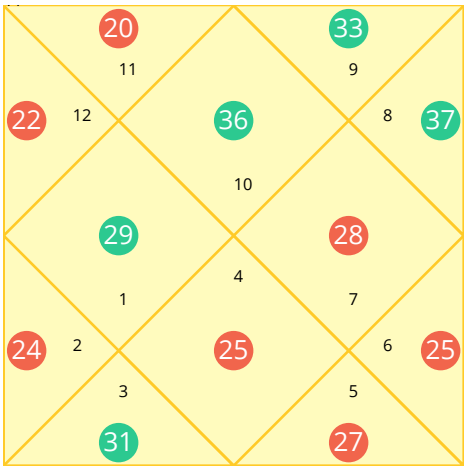

astrologyapi.com

विम्शोत्तरी दशा - I

शनि

17-04-1966 22:49
17-04-1985 16:49

शनि	20-04-1969 17:52
बुध	29-12-1971 21:01
केतु	06-02-1973 16:40
शुक्र	08-04-1976 07:40
सूर्य	21-03-1977 07:22
चन्द्र	20-10-1978 14:52
मंगल	29-11-1979 10:31
राहु	05-10-1982 09:37
गुरु	17-04-1985 16:49

बुध

17-04-1985 16:49
17-04-2002 22:49

बुध	14-09-1987 08:16
केतु	10-09-1988 13:13
शुक्र	12-07-1991 10:13
सूर्य	17-05-1992 21:19
चन्द्र	17-10-1993 07:49
मंगल	14-10-1994 12:46
राहु	02-05-1997 22:04
गुरु	08-08-1999 19:40
शनि	17-04-2002 22:49

केतु

17-04-2002 22:49
17-04-2009 16:49

केतु	14-09-2002 02:16
शुक्र	14-11-2003 05:16
सूर्य	21-03-2004 01:22
चन्द्र	20-10-2004 02:52
मंगल	18-03-2005 06:19
राहु	05-04-2006 18:37
गुरु	12-03-2007 16:13
शनि	20-04-2008 11:52
बुध	17-04-2009 16:49

शुक्र

17-04-2009 16:49
17-04-2029 16:49

शुक्र	17-08-2012 04:49
सूर्य	17-08-2013 10:49
चन्द्र	18-04-2015 04:49
मंगल	17-06-2016 07:49
राहु	18-06-2019 01:49
गुरु	16-02-2022 01:49
शनि	17-04-2025 16:49
बुध	16-02-2028 13:49
केतु	17-04-2029 16:49

सूर्य

17-04-2029 16:49
18-04-2035 04:49

सूर्य	05-08-2029 06:37
चन्द्र	03-02-2030 21:37
मंगल	11-06-2030 17:43
राहु	06-05-2031 11:07
गुरु	22-02-2032 15:55
शनि	03-02-2033 15:37
बुध	11-12-2033 02:43
केतु	17-04-2034 22:49
शुक्र	18-04-2035 04:49

चन्द्र

18-04-2035 04:49
17-04-2045 16:49

चन्द्र	16-02-2036 13:49
मंगल	16-09-2036 15:19
राहु	18-03-2038 12:19
गुरु	18-07-2039 12:19
शनि	15-02-2041 19:49
बुध	18-07-2042 06:19
केतु	16-02-2043 07:49
शुक्र	17-10-2044 01:49
सूर्य	17-04-2045 16:49

astrologyapi.com

विम्शोत्तरी दशा - II

मंगल		राहु		गुरु	
17-04-2045 16:49 17-04-2052 10:49		17-04-2052 10:49 17-04-2070 22:49		17-04-2070 22:49 17-04-2086 22:49	
मंगल	13-09-2045 20:16	राहु	29-12-2054 15:01	गुरु	05-06-2072 03:37
राहु	02-10-2046 08:34	गुरु	24-05-2057 05:25	शनि	17-12-2074 10:49
गुरु	08-09-2047 06:10	शनि	30-03-2060 04:31	बुध	24-03-2077 08:25
शनि	17-10-2048 01:49	बुध	17-10-2062 13:49	केतु	28-02-2078 06:01
बुध	14-10-2049 06:46	केतु	05-11-2063 02:07	शुक्र	29-10-2080 06:01
केतु	12-03-2050 10:13	शुक्र	04-11-2066 20:07	सूर्य	17-08-2081 10:49
शुक्र	12-05-2051 13:13	सूर्य	29-09-2067 13:31	चन्द्र	17-12-2082 10:49
सूर्य	17-09-2051 09:19	चन्द्र	30-03-2069 10:31	मंगल	23-11-2083 08:25
चन्द्र	17-04-2052 10:49	मंगल	17-04-2070 22:49	राहु	17-04-2086 22:49

वर्त्तमान दशा

दशा नाम	ग्रह	आरम्भ तिथि	सम्पति तिथि
महादशा	शुक्र	17-04-2009 16:49	17-04-2029 16:49
अंतर्दशा	शनि	16-02-2022 01:49	17-04-2025 16:49
प्रत्यंतर दशा	राहु	24-05-2024 23:46	14-11-2024 11:37
सूक्ष्म दशा	गुरु	20-06-2024 00:20	13-07-2024 03:31

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**

astrologyapi.com

योगिनी दशा - I

भद्रिका (5 वर्ष)

9-3-1980 11:38
9-3-1985 11:38

भद्रिका	18-11-1980 3:8
उल्का	18-9-1981 12:8
सिद्धि	8-9-1982 14:38
संकटा	19-10-1983 10:38
मंगला	9-12-1983 4:8
पिंगला	19-3-1984 15:8
धान्य	18-8-1984 19:38
भ्रामरी	9-3-1985 11:38

उल्का (6 वर्ष)

9-3-1985 11:38
9-3-1991 11:38

उल्का	9-3-1986 17:38
सिद्धि	9-5-1987 20:38
संकटा	7-9-1988 20:38
मंगला	7-11-1988 17:38
पिंगला	9-3-1989 11:38
धान्य	8-9-1989 2:38
भ्रामरी	9-5-1990 14:38
भद्रिका	9-3-1991 11:38

सिद्धि (7 वर्ष)

9-3-1991 11:38
9-3-1998 11:38

सिद्धि	18-7-1992 15:8
संकटा	6-2-1994 19:8
मंगला	18-4-1994 19:38
पिंगला	7-9-1994 20:38
धान्य	8-4-1995 22:8
भ्रामरी	18-1-1996 0:8
भद्रिका	7-1-1997 2:38
उल्का	9-3-1998 11:38

संकटा (8 वर्ष)

9-3-1998 11:38
9-3-2006 11:38

संकटा	18-12-1999 19:38
मंगला	8-3-2000 23:38
पिंगला	18-8-2000 7:38
धान्य	18-4-2001 19:38
भ्रामरी	9-3-2002 11:38
भद्रिका	19-4-2003 7:38
उल्का	18-8-2004 7:38
सिद्धि	9-3-2006 11:38

मंगला (1 वर्ष)

9-3-2006 11:38
9-3-2007 11:38

मंगला	19-3-2006 15:8
पिंगला	8-4-2006 22:8
धान्य	9-5-2006 8:38
भ्रामरी	18-6-2006 22:38
भद्रिका	8-8-2006 16:8
उल्का	8-10-2006 13:8
सिद्धि	18-12-2006 13:38
संकटा	9-3-2007 11:38

पिंगला (2 वर्ष)

9-3-2007 11:38
9-3-2009 11:38

पिंगला	19-4-2007 1:38
धान्य	18-6-2007 22:38
भ्रामरी	8-9-2007 2:38
भद्रिका	18-12-2007 13:38
उल्का	18-4-2008 7:38
सिद्धि	7-9-2008 8:38
संकटा	16-2-2009 16:38
मंगला	9-3-2009 11:38

astrologyapi.com

योगिनी दशा - II

धान्य (3 वर्ष)

9-3-2009 11:38
9-3-2012 11:38

धान्य	8-6-2009 19:8
भ्रामरी	8-10-2009 13:8
भद्रिका	9-3-2010 17:38
उल्का	8-9-2010 8:38
सिद्धि	9-4-2011 10:8
संकटा	8-12-2011 22:8
मंगला	8-1-2012 8:38
पिंगला	9-3-2012 11:38

भ्रामरी (4 वर्ष)

9-3-2012 11:38
9-3-2016 11:38

भ्रामरी	18-8-2012 19:38
भद्रिका	9-3-2013 17:38
उल्का	8-11-2013 5:38
सिद्धि	19-8-2014 7:38
संकटा	9-7-2015 23:38
मंगला	19-8-2015 13:38
पिंगला	8-11-2015 17:38
धान्य	9-3-2016 11:38

भद्रिका (5 वर्ष)

9-3-2016 11:38
9-3-2021 11:38

भद्रिका	18-11-2016 3:8
उल्का	18-9-2017 12:8
सिद्धि	8-9-2018 14:38
संकटा	19-10-2019 10:38
मंगला	9-12-2019 4:8
पिंगला	19-3-2020 15:8
धान्य	18-8-2020 19:38
भ्रामरी	9-3-2021 11:38

उल्का (6 वर्ष)

9-3-2021 11:38
9-3-2027 11:38

उल्का	9-3-2022 17:38
सिद्धि	9-5-2023 20:38
संकटा	7-9-2024 20:38
मंगला	7-11-2024 17:38
पिंगला	9-3-2025 11:38
धान्य	8-9-2025 2:38
भ्रामरी	9-5-2026 14:38
भद्रिका	9-3-2027 11:38

सिद्धि (7 वर्ष)

9-3-2027 11:38
9-3-2034 11:38

सिद्धि	18-7-2028 15:8
संकटा	6-2-2030 19:8
मंगला	18-4-2030 19:38
पिंगला	7-9-2030 20:38
धान्य	8-4-2031 22:8
भ्रामरी	18-1-2032 0:8
भद्रिका	7-1-2033 2:38
उल्का	9-3-2034 11:38

संकटा (8 वर्ष)

9-3-2034 11:38
9-3-2042 11:38

संकटा	18-12-2035 19:38
मंगला	8-3-2036 23:38
पिंगला	18-8-2036 7:38
धान्य	18-4-2037 19:38
भ्रामरी	9-3-2038 11:38
भद्रिका	19-4-2039 7:38
उल्का	18-8-2040 7:38
सिद्धि	9-3-2042 11:38

astrologyapi.com

योगिनी दशा - III

मंगला (1 वर्ष)

9-3-2042 11:38
9-3-2043 11:38

मंगला	19-3-2042 15:8
पिंगला	8-4-2042 22:8
धान्य	9-5-2042 8:38
भ्रामरी	18-6-2042 22:38
भद्रिका	8-8-2042 16:8
उल्का	8-10-2042 13:8
सिद्धि	18-12-2042 13:38
संकटा	9-3-2043 11:38

पिंगला (2 वर्ष)

9-3-2043 11:38
9-3-2045 11:38

पिंगला	19-4-2043 1:38
धान्य	18-6-2043 22:38
भ्रामरी	8-9-2043 2:38
भद्रिका	18-12-2043 13:38
उल्का	18-4-2044 7:38
सिद्धि	7-9-2044 8:38
संकटा	16-2-2045 16:38
मंगला	9-3-2045 11:38

धान्य (3 वर्ष)

9-3-2045 11:38
9-3-2048 11:38

धान्य	8-6-2045 19:8
भ्रामरी	8-10-2045 13:8
भद्रिका	9-3-2046 17:38
उल्का	8-9-2046 8:38
सिद्धि	9-4-2047 10:8
संकटा	8-12-2047 22:8
मंगला	8-1-2048 8:38
पिंगला	9-3-2048 11:38

भ्रामरी (4 वर्ष)

9-3-2048 11:38
9-3-2052 11:38

भ्रामरी	18-8-2048 19:38
भद्रिका	9-3-2049 17:38
उल्का	8-11-2049 5:38
सिद्धि	19-8-2050 7:38
संकटा	9-7-2051 23:38
मंगला	19-8-2051 13:38
पिंगला	8-11-2051 17:38
धान्य	9-3-2052 11:38

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**

astrologyapi.com

चर दशा

मकर (2 वर्ष)

23-2-1985
23-2-1987

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042
कन्या	23-9-2043
तुला	23-8-2044
वृश्चिक	23-7-2045
धनु	23-6-2046
मकर	23-5-2047
कुम्भ	23-4-2048
मीन	23-3-2049
मेष	23-2-2050

धनु (1 वर्ष)

23-2-1987
23-2-1988

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042
कन्या	23-9-2043
तुला	23-8-2044
वृश्चिक	23-7-2045
धनु	23-6-2046
मकर	23-5-2047
कुम्भ	23-4-2048
मीन	23-3-2049
मेष	23-2-2050

वृश्चिक (11 वर्ष)

23-2-1988
23-2-1999

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042
कन्या	23-9-2043
तुला	23-8-2044
वृश्चिक	23-7-2045
धनु	23-6-2046
मकर	23-5-2047
कुम्भ	23-4-2048
मीन	23-3-2049
मेष	23-2-2050

तुला (5 वर्ष)

23-2-1999
23-2-2004

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042
कन्या	23-9-2043
तुला	23-8-2044
वृश्चिक	23-7-2045

कन्या (7 वर्ष)

23-2-2004
23-2-2011

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042
कन्या	23-9-2043
तुला	23-8-2044
वृश्चिक	23-7-2045

सिंह (6 वर्ष)

23-2-2011
23-2-2017

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042
कन्या	23-9-2043
तुला	23-8-2044
वृश्चिक	23-7-2045

astrologyapi.com

धनु	23-6-2046
मकर	23-5-2047
कुम्भ	23-4-2048
मीन	23-3-2049
मेष	23-2-2050

धनु	23-6-2046
मकर	23-5-2047
कुम्भ	23-4-2048
मीन	23-3-2049
मेष	23-2-2050

धनु	23-6-2046
मकर	23-5-2047
कुम्भ	23-4-2048
मीन	23-3-2049
मेष	23-2-2050

कर्क (4 वर्ष)

23-2-2017
23-2-2021

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042
कन्या	23-9-2043
तुला	23-8-2044
वृश्चिक	23-7-2045
धनु	23-6-2046
मकर	23-5-2047
कुम्भ	23-4-2048
मीन	23-3-2049
मेष	23-2-2050

मिथुन (8 वर्ष)

23-2-2021
23-2-2029

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042
कन्या	23-9-2043
तुला	23-8-2044
वृश्चिक	23-7-2045
धनु	23-6-2046
मकर	23-5-2047
कुम्भ	23-4-2048
मीन	23-3-2049
मेष	23-2-2050

वृष (10 वर्ष)

23-2-2029
23-2-2039

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042
कन्या	23-9-2043
तुला	23-8-2044
वृश्चिक	23-7-2045
धनु	23-6-2046
मकर	23-5-2047
कुम्भ	23-4-2048
मीन	23-3-2049
मेष	23-2-2050

मेष (11 वर्ष)

23-2-2039
23-2-2050

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042

मीन (2 वर्ष)

23-2-2050
23-2-2052

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042

कुम्भ (10 वर्ष)

23-2-2052
23-2-2062

वृष	23-1-2040
मिथुन	23-12-2040
कर्क	23-11-2041
सिंह	23-10-2042

astrologyapi.com

कन्या	23-9-2043	कन्या	23-9-2043	कन्या	23-9-2043
तुला	23-8-2044	तुला	23-8-2044	तुला	23-8-2044
वृश्चिक	23-7-2045	वृश्चिक	23-7-2045	वृश्चिक	23-7-2045
धनु	23-6-2046	धनु	23-6-2046	धनु	23-6-2046
मकर	23-5-2047	मकर	23-5-2047	मकर	23-5-2047
कुम्भ	23-4-2048	कुम्भ	23-4-2048	कुम्भ	23-4-2048
मीन	23-3-2049	मीन	23-3-2049	मीन	23-3-2049
मेष	23-2-2050	मेष	23-2-2050	मेष	23-2-2050

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**

astrologyapi.com

कालसर्प दोष

जब किसी व्यक्ति की कुंडली में राहु और केतू ग्रहों के बीच अन्य सभी ग्रह आ जाते हैं तो कालसर्प दोष का निर्माण होता है। क्योकि कुंडली के एक भाव में राहु और दूसरे भाव में केतु के बैठे होने से अन्य सभी ग्रहों से आ रहे फल रुक जाते हैं। इन दोनों ग्रहों के बीच में सभी ग्रह फँस जाते हैं और यह जातक के लिए एक समस्या बन जाती है। इस दोष के कारण फिर काम में बाधा, नौकरी में रुकावट, शादी में देरी और धन संबंधित परेशानियाँ, उत्पन्न होने लगती हैं।

कालसर्प योग वाले सभी जातकों पर इस योग का समान प्रभाव नहीं पड़ता। किस भाव में कौन सी राशि अवस्थित है और उसमें कौन-कौन ग्रह कहां बैठे हैं और उनका बलाबल कितना है - इन सब बातों का भी संबंधित जातक पर भरपूर असर पड़ता है। इसलिए मात्र कालसर्प योग सुनकर भयभीत हो जाने की जरूरत नहीं बल्कि उसका ज्योतिषीय विश्लेषण करवाकर उसके प्रभावों की विस्तृत जानकारी हासिल कर लेना ही बुद्धिमत्ता कही जायेगी। कालसर्प दोष कुंडली में ख़राब अवश्य माना जाता है किन्तु विधिवत तरह से यदि इसका उपाय किया जाए तो यही कालसर्प दोष सिद्ध योग भी बन सकता है।

अनन्त	कुलिक	वासुकी	शंखपाल
पद्म	महापद्म	तक्षक	कर्कोटक
शंखचूड़	घातक	विषधर	शेषनाग

आपके जन्मपत्रिका में कालसर्पदोष

कालसर्प की उपस्थिति

आपकी जन्मपत्रिका में कालसर्प दोष उदित रूप में विद्यमान है।

आपकी कुंडली में कालसर्प दोष पूर्ण रूप से विद्यमान एवं प्रबल है।

कालसर्प नाम

शंखपाल

दिशा

पूर्ण उदित

astrologyapi.com

कालसर्प दोष फल

आपकी जन्मपत्रिका में शंखपाल नामक कालसर्प योग बन रहा है।
इससे घर-द्वार, जमीन-जायदाद व चल- अचल संपत्ति संबंधी थोड़ी बहुत कठिनाइयां आती हैं और उससे जातक को कभी-कभी बेवजह चिंता घेर लेती है तथा विद्या प्राप्ति में भी उसे आंशिक रूप से तकलीफ उठानी पड़ती है। जातक को माता से कोई, न कोई किसी न किसी समय आंशिक रूप में तकलीफ मिलती है। सवारी एवं नौकरों की वजह से भी कोई न कोई कष्ट होता ही रहता है। इसमें उन्हें कुछ नुकसान भी उठाना पड़ता है। जातक का वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी वह कभी-कभी तनावग्रस्त हो जाता है। चंद्रमा के पीड़ित होने के कारण जातक समय-समय पर मानसिक संतुलन खोया रहता है।

कालसर्प दोष के उपाय

- कालसर्प दोष निवारण यंत्रा घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।

- हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।

- गृह में मयूर (मोर) पंख रखें ।

- शुभ मुहूर्त में बहते पानी में कोयला तीन बार प्रवाहित करें।

- विद्यार्थीजन सरस्वती जी के बीज मंत्रों का एक वर्ष तक जाप करें और विधिवत उपासना करें।

- राहु की दशा आने पर प्रतिदिन एक माला राहु मंत्रा का जाप करें और जब जाप की संख्या 18 हजार हो जाये तो राहु की मुख्य समिधा दुर्वा से पूर्णाहुति हवन कराएं और किसी गरीब को उड़द व नीले वस्त्रा का दान करें

- महामृत्युंजय मंत्रों का जाप प्रतिदिन 11 माला रोज करें, जब तक राहु केतु की दशा-अंर्तदशा रहे और हर शनिवार को श्री शनिदेव का तैलाभिषेक करें और मंगलवार को हनुमान जी को चौला चढ़ायें।

- शुभ मुहूर्त में सर्वतोभद्रमण्डल यंत्रा को पूजित कर धारण करें।

- श्रावणमास में 30 दिनों तक महादेव का अभिषेक करें।

- एक वर्ष तक गणपति अथर्वशीर्ष का नित्य पाठ करें।

- श्रावण के महीने में प्रतिदिन स्नानोपरांत 11 माला 'नम: शिवाय' मंत्रा का जप करने के उपरांत शिवजी को बेलपत्रा व गाय का दूध तथा गंगाजल चढ़ाएं तथा सोमवार का व्रत करें।

astrologyapi.com

मांगलिक दोष क्या होता है

जिस जातक की जन्म कुंडली, लग्न/चंद्र कुंडली आदि में मंगल ग्रह, लग्न से प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भावों में से कहीं भी स्थित हो, तो उसे मांगलिक कहते हैं।

कुण्डली में जब लग्न भाव, चतुर्थ भाव, सप्तम भाव, अष्टम भाव और द्वादश भाव में मंगल स्थित होता है तब कुण्डली में मंगल दोष माना जाता है। सप्तम भाव से हम दाम्पत्य जीवन का विचार करते हैं। अष्टम भाव से दाम्पत्य जीवन के मांगलीक सुख को देखा जाता है। मंगल लग्न में स्थित होने से सप्तम भाव और अष्टम भाव दोनों भावों को दृष्टि देता है। चतुर्थ भाव में मंगल के स्थित होने से सप्तम भाव पर मंगल की चतुर्थ पूर्ण दृष्टि पड़ती है। द्वादश भाव में यदि मंगल स्थित है तब अष्टम दृष्टि से सप्तम भाव को देखता है।

मूल रूप से मंगल की प्रकृति के अनुसार ऐसा ग्रह योग हानिकारक प्रभाव दिखाता है, लेकिन वैदिक पूजा-प्रक्रिया के द्वारा इसकी भीषणता को नियंत्रित कर सकते है। मंगल ग्रह की पूजा के द्वारा मंगल देव को प्रसन्न किया जाता है, तथा मंगल द्वारा जनित विनाशकारी प्रभावों, सर्वारिष्ट को शांत व नियंत्रित कर सकारात्मक प्रभावों में वृद्धि की जा सकती है।

लग्ने व्यये सुखे वापि सप्तमे वा अष्टमे कुजे |
शुभ दृग् योग हीने च पतिं हन्ति न संशयम् ||

मांगलिक विश्लेषण

कुल मांगलिक प्रतिशत	27%

मांगलिक फल

कुंडली में मांगलिक दोष है और प्रभावी है, मिलान के समय इसका ध्यान रखे। आप मांगलिक हैं ।

astrologyapi.com

भाव के आधार पर

सूर्य द्वितीय भाव में कुंडली में स्थित है।

राहु आपके कुंडली में चतुर्थ भाव में है।

दृष्टि के आधार पर

आपके कुंडली का चतुर्थ भाव केतु से दृष्ट है।

केतु की दृष्टि आपके कुडंली के द्वितीय भाव पर पड़ रही है।

आपके कुंडली के द्वादश भाव को राहु देख रहा है।

शनि , आपके कुंडली के पंचम भाव को देख रहा है।

आपकी कुंडली में लग्न भाव को शनि देख रहा है।

सूर्य , आपके कुंडली के अष्टम भाव को देख रहा है।

शनि , आपके कुंडली के अष्टम भाव को देख रहा है।

राहु , आपके कुंडली के अष्टम भाव को देख रहा है।

मांगलिक दोष के उपाय

- चांदी की चौकोर डिब्बी में शहद भरकर हनुमान मंदिर या किसी निर्जन वन, स्थान में रखने से मंगल दोष शांत होता है |

- मंगलवार को सुन्दरकाण्ड एवं बालकाण्ड का पाठ करना लाभकारी होता है |

- बंदरों व कुत्तों को गुड व आटे से बनी मीठी रोटी खिलाएं |

- मंगल चन्द्रिका स्तोत्र का पाठ करना भी लाभ देता है |

- माँ मंगला गौरी की आराधना से भी मंगल दोष दूर होता है |

- कार्तिकेय जी की पूजा से भी मंगल दोष के दुशप्रभाव में लाभ मिलता है |

- मंगलवार को बताशे व गुड की रेवड़ियाँ बहते जल में प्रवाहित करें |

- मंगली कन्यायें गौरी पूजन तथा श्रीमद्भागवत के 18 वें अध्याय के नवें श्लोक का जप अवश्य करें |

astrologyapi.com

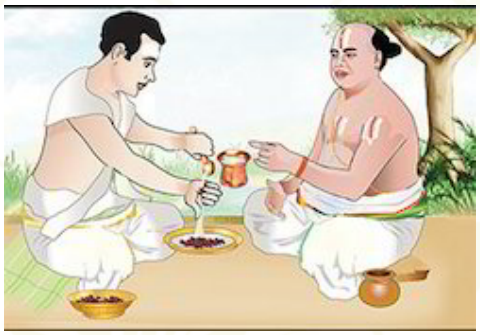

पितृ दोष क्या होता है ?

पितृ दोष पूर्वजों की एक कार्मिक ऋण है और ग्रहों के संयोजन के रूप में जन्म कुंडली में परिलक्षित होता है। यह पूर्वजों की उपेक्षा के कारण भी होता है और श्राद्ध या दान या आध्यात्मिक उत्थान का यथोचित प्रबंध न करने के कारण भी पितृ दोष हो सकता है।

पितृ दोष विश्लेषण

क्या पितृ दोष आपकी कुंडली में उपस्थित है ?	नहीं

जिन नियमों पर हमने आपकी कुंडली परखी है उसके अनुसार आप पितृ दोष से मुक्त हैं।

astrologyapi.com

साढ़ेसाती क्या होता है

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार साढ़े साती तब बनती है जब शनि गोचर में जन्म चन्द्र से प्रथम, द्वितीय और द्वादश भाव से गुजरता है। शनि एक राशि से गुजरने में ढ़ाई वर्ष का समय लेता है इस तरह तीन राशियों से गुजरते हुए यह साढ़े सात वर्ष का समय लेता है जो साढ़े साती कही जाती है। सामान्य अर्थ में साढ़े साती का अर्थ हुआ सात वर्ष छ: मास।

साढ़े साती के समय व्यक्ति को कठिनाईयों एवं परेशानियों का सामना करना होता है परंतु इसमें घबराने वाली बात नहीं हैं। इसमे कठिनाई और मुश्किल हालत जरूर आते हैं परंतु इस दौरान व्यक्ति को कामयाबी भी मिलती है। बहुत से व्यक्ति साढ़े साती के प्रभाव से सफलता की उंचाईयों पर पहुंच जाते हैं। साढ़े साती व्यक्ति को कर्मशील बनाता है और उसे कर्म की ओर ले जाता है। हठी, अभिमानी और कठोर व्यक्तियों से यह काफी मेहनत करवाता है।

क्या आप साढ़ेसाती में है

साढ़ेसाती दोष उपस्थित है।

हाँ , इस समय आप साढ़ेसाती के प्रभाव में हैं।

विचार करने का दिनाकं	2-7-2024
शनि राशि	कुम्भ
चंद्र राशि	मीन
वक्री शनि	हाँ

astrologyapi.com

साढ़ेसाती विश्लेषण - II

चंद्र राशि	शनि राशि	वक्री शनि	चरण प्रकार	दिनांक	संक्षिप्त विवरण
मीन	कुम्भ	--	उदय प्रारम्भ	5-3-1993	साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है।
मीन	कुम्भ	हाँ	उदय समाप्त	15-10-1993	साढ़ेसाती के उदय चरण के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है।
मीन	कुम्भ	--	उदय प्रारम्भ	10-11-1993	साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है।
मीन	मीन	--	शिखर प्रारम्भ	2-6-1995	साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत।
मीन	मीन	हाँ	उदय प्रारम्भ	10-8-1995	साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है।
मीन	मीन	--	शिखर प्रारम्भ	16-2-1996	साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत।
मीन	मेष	--	अस्त प्रारम्भ	17-4-1998	साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है।
मीन	वृष	--	अस्त समाप्त	7-6-2000	साढ़ेसाती के अस्त चरण के अंत के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है।
मीन	कुम्भ	--	उदय प्रारम्भ	29-4-2022	साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है।
मीन	कुम्भ	हाँ	उदय समाप्त	12-7-2022	साढ़ेसाती के उदय चरण के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है।
मीन	कुम्भ	--	उदय प्रारम्भ	17-1-2023	साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है।
मीन	मीन	--	शिखर प्रारम्भ	29-3-2025	साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत।
मीन	मेष	--	अस्त प्रारम्भ	3-6-2027	साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है।
मीन	मेष	हाँ	शिखर प्रारम्भ	19-10-2027	साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत।
मीन	मेष	हाँ	शिखर प्रारम्भ	20-10-2027	साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत।
मीन	मेष	हाँ	शिखर प्रारम्भ	21-10-2027	साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत।
मीन	मेष	--	अस्त प्रारम्भ	23-2-2028	साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है।
मीन	वृष	--	अस्त समाप्त	8-8-2029	साढ़ेसाती के अस्त चरण के अंत के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है।
मीन	वृष	हाँ	अस्त प्रारम्भ	5-10-2029	साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है।
मीन	वृष	--	अस्त समाप्त	17-4-2030	साढ़ेसाती के अस्त चरण के अंत के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है।

astrologyapi.com

चंद्र राशि	शनि राशि	वक्री शनि	चरण प्रकार	दिनांक	संक्षिप्त विवरण
मीन	कुम्भ	--	उदय प्रारम्भ	25-2-2052	साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है।
मीन	मीन	--	शिखर प्रारम्भ	14-5-2054	साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत।
मीन	मीन	हाँ	उदय प्रारम्भ	2-9-2054	साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है।
मीन	मीन	--	शिखर प्रारम्भ	5-2-2055	साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत।
मीन	मेष	--	अस्त प्रारम्भ	7-4-2057	साढ़ेसाती के अस्त चरण का प्रारम्भ एवं उच्चतम चरण का अंत हो रहा है।
मीन	वृष	--	अस्त समाप्त	28-5-2059	साढ़ेसाती के अस्त चरण के अंत के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है।
मीन	कुम्भ	--	उदय प्रारम्भ	12-4-2081	साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है।
मीन	कुम्भ	हाँ	उदय समाप्त	3-8-2081	साढ़ेसाती के उदय चरण के साथ साथ साढ़ेसाती का भी अंत हो रहा है।
मीन	कुम्भ	--	उदय प्रारम्भ	7-1-2082	साढ़ेसाती के उदय चरण का प्रारम्भ हो रहा है।
मीन	मीन	--	शिखर प्रारम्भ	20-3-2084	साढ़ेसाती का उच्चतम चरण का प्रारम्भ हो रहा है और इसी के साथ उदय चरण का अंत।

astrologyapi.com

साढ़े सती उपाय

- साढ़ेसाती के अनिष्ट प्रभावों को काम करने के उपाय निम्नलिखित है -

- साढ़े साती की परेशानी से बचने के लिए नियमित हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

- इस ग्रह दशा से बचने के लिए काले घोड़े की नाल की अंगूठी बनाकर उसे दाएं हाथ की मध्यमा उंगली में पहनना चाहिए।

- शनि देव को शनिवार के दिन सरसों का तेल और तांबा भेट करना चाहिए।

- किसी गरीब व्यक्ति को काले कंबल का दान करें।

- शिवलिंग पर काले तिल अर्पित करें और जल चढ़ाएं।

- हर मंगलवार और शनिवार ऊँ रामदूताय नमः मंत्र का जप करें। मंत्र जप की संख्या कम से कम 108 करे।

- धार्मिक आचरण बनाए रखें और किसी का अनादर न करें।

- हर शनिवार को शनि के निमित्त तेल का दान करें। तेल दान करने से पहले तेल में अपना चेहरा देख लेना चाहिए। यह उपाय हर शनिवार किया जाना चाहिए।

- शनि बीज मंत्र - ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः प्रतिदिन 108 बार अवश्य करें

- शनि प्रकोप से मुक्ति के लिए सुंदर काण्ड का नियमित पाठ अवश्य करें।

- रोटी में तेल लगाकर कुत्ते या कौए को खिलाएं।

astrologyapi.com

रत्न उपाय विचार

वैदिक ज्योतिष के अनुसार ग्रहों से सूक्ष्म ऊर्जाओं का उत्सर्जन होता है, जिनका हमारी जन्म कुंडली में ग्रहों की स्तिथि के अनुसार, हमारे जीवन पर प्रतिवर्ती हितकारी अथवा अनिष्टकारी प्रभाव पड़ते हैं । प्रत्येक ग्रह का अपना एक अनूठा तत्सम्बन्धित ज्योतिषीय रत्न होता है जो उसी ग्रह के अनुरूप ब्रह्मांडीय वर्ण-ऊर्जा का प्रसार करता है । रत्न सकारात्मक किरणों के प्रतिबिंब या नकारात्मक किरणों के अवशोषण द्वारा अपना कार्य करते हैं । ये रत्न केवल सकारात्मक स्पंदनों को ही शरीर में प्रवेश करने देते हैं; इस कारण उपयुक्त रत्न पहनाने से उसके धारण कर्ता पर सम्बंधित ग्रह के लाभदायक प्रभाव को बढ़ाया जा सकता है ।

जीवन रत्न

नीलम

लग्न, शरीर और शरीर से संबंधित सभी बातों का - जैसे स्वास्थ्य, दीर्घायु, नाम, प्रतिष्ठा, जीवन-उद्देश्य आदि का प्रतीक होता है। संक्षेप में, इस में पूरे जीवन का सार समाया है । इसलिए लग्न के स्वामी अर्थात लग्नेश से संबंधित रत्न को जीवन रत्न कहा जाता है । इस रत्न के गुणों तथा शक्तियों का पूरा लाभ उठाने के लिए इसे आजीवन पहना जा सकता है और पहनना भी चाहिए ।

कारक रत्न

हीरा

जन्म कुंडली का पंचम भाव भी एक शुभ भाव है। पांचवा भाव बुद्धि, उच्च शिक्षा, संतान, अप्रत्याशित धन-प्राप्ति आदि का द्योतक है। इस भाव को 'पूर्व पुण्य कर्मों' का अर्थात पिछले जन्मों के अच्छे कर्मों का स्थान भी माना जाता है । इसी कारण इसे शुभ भाव कहते हैं । पंचम भाव के स्वामी से सम्बंधित रत्न को कारक रत्न कहा जाता है।

भाग्य रत्न

पन्ना

जन्म-कुंडली के नवम भाव को भाग्य या प्रारब्ध का स्थान कहा जाता है । यह भाव भाग्य, सफलता, ज्ञान, गुणदोष और उपलब्धियों आदि का द्योतक है । यह भाव व्यक्ति द्वारा पिछले जन्मों में किए गए अच्छे कर्मों के कारण प्राप्त होने वाले फल स्वरूप आनंद की ओर संकेत करता है । नवम भाव के स्वामी से सम्बंधित रत्न को भाग्य रत्न कहते हैं । इस रत्न को धारण करने से भाग्य में वृद्धि होती है ।

astrologyapi.com

जीवन रत्न - नीलम

विकल्प	नीली	दिन	शनिवार
उंगली	मध्यमिका	अधिदेवता	शनि
भार	3 - 4.25 कैरेट	धातु	चांदी

विवरण

नीलम रत्न का स्वामी ग्रह शनि है । नीलम धारण करने से स्वास्थ्य, धन, दीर्घायु, सुख, समृद्धि, नाम और यश की प्राप्ति होती है ।

भार व धातु

वजन में कम से कम ५ कैरेट का दोषरहित नीलम पहनना चाहिए । इसे स्टील या अष्ट धातु से बनी अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

पहनने का समय

नीलम रत्न को किसी भी शनिवार को सूर्यास्त से दो घंटे पहले धारण किया जा सकता है ।

मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । नीलम धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः

प्राण प्रतिष्ठा

अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें ।

उंगली

मंत्र जाप के बाद, नीलम को मध्यमा अर्थात बीच की अंगुली में धारण किया जा सकता है ।

विकल्प

नीलम के स्थान पर नीला जिक्रोन, जामुनिया, नीली तूरमुली, लाजावर्द, ब्लू स्पिनल और नीली जैसे विभिन्न विकल्प रत्न भी उपयोग में लाये जा सकते हैं ।

सावधानी

ध्यान रहें कि नीलम को माणिक, मोती, लाल मूंगा और उनके विकल्प रत्नों के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।

astrologyapi.com

कारक रत्न - हीरा

विकल्प	ओपल / जिरकॉन	दिन	शुक्रवार
उंगली	कनिष्ठा	अधिदेवता	शुक्र
भार	1 - 4.25 कैरेट	धातु	चांदी

विवरण

हीरा रत्न का स्वामी ग्रह शुक्र है । हीरा धारण करने से धैर्य, सफलता, धन, समृद्धि, निर्मलता की प्राप्ति होती है । हीरा धारण करने वाला व्यक्ति निडर, बुद्धिमान और शिष्ट होता है। हीरा पहनने से धारक धार्मिक शास्त्रों में प्रवीण बनाता है। यह रत्न बुरी आत्माओं के हानिकारक प्रभावों और साँप के दंश से भी संरक्षण करता है।

भार व धातु

वजन में १-१/२ कैरेट का दोषरहित हीरा पहनना चाहिए । इसे प्लटिनम या चांदी की अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

पहनने का समय

हीरा को शुक्ल पक्ष के किसी भी शुक्रवार को सूर्योदय के बाद धारण किया जा सकता है ।

मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । हीरा धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः

प्राण प्रतिष्ठा

हीरे की अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें।

उंगली

मंत्र जाप के बाद, हीरा को दाहिने हाथ की छोटी उंगली अर्थात कनिष्ठा में धारण किया जा सकता है ।

विकल्प

हीरा के स्थान पर सफेद नीलम, सफेद जिक्रोन और सफेद तूरमली आदि विकल्प रत्नों को भी धारण किया सकता है ।

सावधानी

हीरा को माणिक, मोती, लाल मूंगा और पुखराज के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।

astrologyapi.com

भाग्य रत्न - पन्ना

विकल्प	हरा गोमेद	दिन	बुधवार
उंगली	कनिष्ठा	अधिदेवता	बुद्ध
भार	4 - 6.25 कैरेट	धातु	स्वर्ण

विवरण

पन्ना का स्वामी ग्रह बुध है । पन्ना धारण करने से अच्छे स्वास्थ्य, बलवान शरीर, धन, संपत्ति और अच्छी नेत्र दृष्टि की प्राप्ति होती है । यह दुष्ट आत्माओं, सर्प दंश और बुरी नज़र से कुप्रभावों से बचाता है। पन्ना मिर्गी एवं पागलपन के इलाज और बुरे स्वप्नों से संरक्षण में भी सहायक है ।

भार व धातु

पन्ना का वजन ३ कैरेट से अधिक होना चाहिए । इसे सोने की अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

पहनने का समय

पन्ना रत्न चंद्रमास के शुक्ल पक्ष के किसी भी बुधवार को सूर्योदय के दो घंटे बाद धारण किया जा सकता है ।

मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । पन्ना धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

ॐ ब्रां ब्रीं सः बुधाय नमः

प्राण प्रतिष्ठा

पन्ना की अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें ।

उंगली

मंत्र जाप के बाद, पन्ना की अंगूठी को दाहिने हाथ की कनिष्ठा अर्थात छोटी उंगली में धारण करें ।

विकल्प

पन्ना के स्थान पर अक्वामरीन (हरित नील), पेरिडोट, हरा जिक्रोन, ग्रीन एगेट या हरा जेड(हरिताश्म) जैसे विभिन्न विकल्प रत्न भी उपयोग में लाये जा सकते हैं ।

सावधानी

ध्यान रहें कि पन्ना को लाल मूंगा, मोती, पुखराज और उनके विकल्प रत्नों के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।

astrologyapi.com

गौरी शंकर रुद्राक्ष

आपको गौरी शंकर रुद्राक्ष को धारण करने की सलाह दी जाती है।

स्वाभाविक रूप से जुड़े हुए दो मणि शिव और पार्वती के एकीकृत रूप का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह मणि गले के ऊपर (कंधे की 'टी' समान हड्डी के ऊपर) पर पहने जाने पर या जब सहसार (माथे पर) के ऊपर पहनकर ध्यान करने पर, आध्यात्मिक जागृति के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। इस मणि के पहनने से चैतन्य का ब्रह्मांड फैलता है और इसे पहननेवाले के आसपास, हर किसी के साथ उनकी एकता और अनुरूपता को बढ़ावा देता है। जब घर में रखा जाता है, तो यह सदस्यों के बीच एकता और अनुरूपता को बढाता है। गौरी शंकर रुद्राक्ष संभवतः एक ऐसी चीज है जो अपने चैतन्य को ३६० डिग्री तक बढ़ाता है! एक वास्तविक आशीर्वाद जो जागरूकता का वरदान देता है।

astrologyapi.com

शुभाशुभ अंक

3	5	4
भाग्यांक	मूलांक	नामांक

आपका नाम	Ajeet Kanojia
जन्म दिनांक	23-2-1985
मूलांक	5
मूलांक स्वामी	बुद्ध
मित्र अंक	5,3,9
सम अंक	1,6,7,8
शत्रु अंक	2,4
शुभ दिन	गुरुवार, बुधवार, शुक्रवार
शुभ रत्न	पन्ना
शुभ उपरत्न	ओनिक्स,पेरिडॉट
शुभ देवता	श्री लक्ष्मी नारायण
शुभ धातु	सोना
शुभ रंग	Green
शुभ मंत्र	|| ओम बुंग बुधाय नमः ||

astrologyapi.com

आपके बारे में

आपका मूलांक पाँच है। इसका स्वामी बुध ग्रह है। मूलांक पाँच के प्रभाववश आप रोजगार के क्षेत्र में नौकरी की अपेक्षा व्यापार के मार्ग की ओर अधिक आकृष्ट रहेंगे। यदि आप नौकरी का मार्ग चुनते हैं तो ऐसा रोजगार आपको अधिक पसन्द आयेगा। जहाँ लेन-देन, लेखा, यांत्रिकी, वाणिज्य, इत्यादि का कार्य होता हो। कम्पनी, फैक्ट्री, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा। बुधग्रह के प्रभाववश आपके अन्दर वाक्पटुता, तर्कशक्ति अच्छी रहेगी एवं सामने वाले व्यक्ति को आप अपनी बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। आप हर कार्य को जल्दी समाप्त करना पसन्द करेंगे एवं ऐसे रोजगार की ओर उन्मुख होंगे जिसमें शीघ्र सफलता कम मेहनत तथा अधिक लाभ पर प्राप्त होती रहे। आप थोड़े जल्दबाज एवं फुर्तीले भी रहेंगे। जल्दबाजी के चक्कर में आप कभी-कभी हानियों का भी सामना करेंगे। आपकी मानसिक स्थिति चंचल होने से आपको शीघ्र क्रोध आ जाया करेगा एवं कभी-कभी चिड़चिड़ाहट भी रहा करेगी। आप अधिकांशतः बुद्धि जनित कार्यों में रुचि लेंगे। इस कारण आपकी दिमागी ताकत अधिक खर्च होने से अधिक आयु में आपको स्नायुवेग द्वारा उत्पन्न रोगों का भी सामना करना पड़ेगा। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से कमोवेश बुध के गुण-अवगुण आपके अन्दर आयेंगे। विद्याध्यन लेखन-पठन की ओर आपकी विशेष रुचि रहेगी।

शुभ व्रत समय

बुधवार को बुध अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। पैंतालीस या सत्रह बुधवारों को यह व्रत करें। हरे रंग के कपड़े पहनें एवं हरे पदार्थों का दान करें। तुलसी के पत्ते खाना एवं चढ़ाना लाभप्रद रहता है। पन्ना या मरगज की माला पर बुध मंत्र का जप करें।

astrologyapi.com

शुभ देवता

आप बुध ग्रह की उपासना करें भगवान लक्ष्मी नारायण की आराधना करें। भगवान लक्ष्मी नारायण के चतुर्दषाक्षरी मंत्र "ओम् ह्रीं ह्रीं श्री श्रीॖर लक्ष्मी वासुदेवाय नमः" का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे तो आप विभिन्न रोगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान लक्ष्मी नारायण के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्षन कर लिया करें।

शुभ गायत्री मंत्र

आपके लिए बुध के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु बुध के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा। बुध गायत्री मंत्र - ||ऊँ सौम्यरुपाय वि̤हे बाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्यः प्रचोदयात्।। ||

शुभ ध्यान समय

प्रातःकाल उठ कर आप बुध का ध्यान करें, मन में बुध की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें। प्रियंगुकलिकाश्यामं रुपेणाप्रतिमं बुधम्। सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।

astrologyapi.com

शुभ मंत्र

अशुभ बुध को अनुकूल बनाने हेतु बुध के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान नब्बे माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे। ऊँ ब्राँ ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।। जप संख्या 9000।।

आपके के लिए शुभ समय

बुध दिनांक 22 मई से 21 जून एवं 24 अगस्त से 23 सितंबर तक, पाश्चात्य मत से, सूर्य मिथुन एवं कन्या राशि में रहता है तथा भारतीय मतानुसार 15 जून से 15 जुलाई तक एवं 17 सितंबर से 16 अक्तूबर तक सूर्य मिथुन तथा कन्या राशि में रहता है। मिथुन बुध की स्वराशि तथा कन्या उच्च राशि है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक पांच के लिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

astrologyapi.com

शुभ वास्तु

आपके लिए उपयुक्त दिशा उत्तर है। इसलिए आपके लिए ऐसा मकान या फ्लैट शुभ रहेगा जिसका मूलांक तथा नामांक 5 हो। उत्तर दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। रहेगी। आप अपने घर की बैठक उत्तर दिशा में ही करें एवं घर के फर्नीचर आदि का रंग खाकी, सफेद चमकीला होना चाहिए, जो आपके लिए अच्छे फल देने वाले होंगे।

astrologyapi.com

लग्न फल - मकर

स्वामी	शनि
प्रतीक	मगरमच्छ
विशेषताएँ	पृथ्वी तत्त्व, चर, दक्षिण
भाग्यशाली रत्न	पन्ना
व्रत का दिन	शनिवार

देहं रूपं च ज्ञानं च वर्णं चैव बलाबलम् |
सुखं दुःखं स्वभावञ्च लग्नभावान्निरीक्षयेत ||

मकर लग्न के व्यक्ति संवेदनशील, डरपोक ,काम से काम रखने वाले,महत्वाकांक्षी, दूसरों पर नियंत्रण रखने वाले ,संकोची , सरल, कर्तव्य के प्रति सजग, जिम्मेदार, आलोचनात्मक और उदासीन होते है। आप का प्रारम्भिक जीवन दूसरों तक अपनी बात पहुँचाने में कठिनाइयों से भरा हो सकता है ।

शायद आप अयोग्यता की भावनाओं से ग्रस्त रहते हैं। आप अपने जीवन में अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में दृढ़ संकल्प है इस लिए, अपनी सच्ची ज़रूरतों के माध्यम से इन भावनाओं पर काबू पाने में सफल होंगे ।

> " आप एक अति महत्वाकांक्षी व्यक्ति है और तब तक आराम से नहीं बैठते जब तक उन महान लक्ष्यों या ऊंचाईयों तक ना पहुँच जाएँ जो आप ने खुद के लिए निर्धारित की हैं ।

पैसा, पद और ताक़त आप के लिए महत्वपूर्ण हैं। आपका प्रायः संकोची स्वभाव कभी कभी आपकी उदासीनता के रूप में लिया जा सकता है। आप को लगता है कि आप जिम्मेदार स्वाभाव के हैं और केवल अपना कर्तव्य निभा रहे हैं ।

आप घुटनों की बीमारी से परेशान हो सकते है। घुटनों की कोई भी परेशानी इस बात का बाहरी रूप से प्रमाण है कि आंतरिक रूप से आप स्वयं को स्थितियों के अनुसार ढालने में अक्षम हैं ।

astrologyapi.com

> शनि मकर लग्न का स्वामी है इसलिए शनि आपके जीवन में महत्वपूर्ण होगा ।

सीखने के लिए आध्यात्मिक सबक

सामजिक मेल-जोल (ख़ुदको प्रसन्नचित्त रखना)

सकारात्मक लक्षण

व्यावहारिक | महत्वाकांक्षी | दृढ़-संकल्प | सतर्क

नकारात्मक लक्षण

कठोर | निष्ठुर | चालाक | आलसी प्रकृति

astrologyapi.com

आपकी कुंडली में ग्रहों का विश्लेषण

ज्योतिष के अनुसार सूर्य को सबसे शक्तिशाली ग्रह माना जाता है, यह जीवन का स्रोत है।सूर्य को स्वास्थ्य, जीवन शक्ति, ऊर्जा, शक्ति, पिता, सम्मान, प्रतिष्ठा, गौरव, प्रसिद्धि, साहस और व्यक्तिगत शक्ति काकारक कहा जाता है।

आपकी कुंडली में सूर्य ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **कुम्भ**	अंश **10:41:05**	नक्षत्र **शतभिसा - 2**
स्वामी **आठवाँ भाव**	भाव में **दूसरा भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / कुमार**

सूर्य आपकी कुंडली मे सम है

आपके जन्मपत्रिका में सूर्य दूसरा भाव में एवं कुम्भ राशि में स्थित है।

आपका चेहरा उज्ज्वल, ओजस्वी और चरित्र से भरा है. आप अपनी ऊर्जा का प्रयोग व्यक्तिगत संपत्ति, प्रतिभा और पैसो द्वारा सत्ता पाने की इच्छापूर्ति के लिए कर सकते हैं. आप एक बुद्धिजीवी हैं और आपकी आवाज काफी प्रभावशाली है . आप आत्म निर्भर हैं और हस्तकला में कुशल हैं. आप उदार और महत्वाकांक्षी तो हैं, लेकिन फ़िज़ूलखर्ची से बचें. लोगों और चीजों पर स्वत्वबोध अधिकार या प्रभुत्व जताने की प्रवृत्ति से दूर रहें. आपके व्यक्तित्व को सबसे अच्छी अभिव्यक्ति मानवीय संबंधों में ही मिलेगी . आप स्वभाव से जिद्दी और चिड़चिड़े हैं. आप बुद्धिमानी से अपने पैसे खर्च करते है और थोड़े से कंजूस भी हैं

> " आप परंपराओं में विश्वास रखते हैं

आपके व्यक्तित्व की कर्मशक्ति मुख्य रूप से वित्तीय सुरक्षितता के साथ, निजी संपत्ति के निर्माण की ओर निर्देशित हैं . आप अपने परिवार की खुशी और सुरक्षा के बारे में परवाह करते है और उनकी इच्छाओं की पूर्ति के लिए कुछ भी करेंगे. स्त्री के कारण परिवार में क्लेश होने की संभावना है . निकटतम परिवारजनों के साथ संबंध असंतोषजनक हो सकते हैं. वाणी से संबंधित कुछ समस्या हो सकती है. कड़वे वचन बोलने से बचें . नेत्र-कर्ण-दन्त रोगों से सावधान रहें.भौतिक धन और संपत्ति आप के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं

astrologyapi.com

आप खाद्य संबंधित व्यापार में यशस्वी हो सकते हैं. आप को निवेश, मनोरंजन और बच्चों के माध्यम से लाभ होगा. राजकीय अधिकारियों को अप्रसन्न करने पर नुक्सान होगा. आप अपने परिश्रम से आजीविका कमाते हैं . आमदनी सामान्य होगी. पैसा जितनी आसानी से आता है उतनी ही आसानी से चला भी जाता है.घरेलू झगड़े से दूर रहें . महिलाओं का सम्मान करें; तेल और नारियल का दान करें

सूर्य मंत्र	॥ ॐ ह्रीं ह्रौं सूर्याय नमः ॥

astrologyapi.com

चंद्रमा में मन, शक्ति और भावनाओं को प्रभावित करने की क्षमता है। चंद्रमा पानी और प्राकृतिक शक्तियों से जुड़ा हुआ है,यह एक ढुलमुल ग्रह है जो परिवर्तनों से संबंधित है। चंद्रमा भावनाओं, कल्पना, माता, हृदय, स्मृति, नींद, यात्रा, इच्छा, बचपन, बुद्धि से सम्बंधित है। चंद्रमा व्यक्ति कीइच्छाओं और पसंद से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में चन्द्र ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **मीन**	अंश **16:33:50**	नक्षत्र **उत्तर भाद्रपद - 4**
स्वामी **सातवाँ भाव**	भाव में **तिसरा भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / युवा**

चन्द्र आपकी कुंडली मे हानिप्रद है

आपके जन्मपत्रिका में चन्द्र तिसरा भाव में एवं मीन राशि में स्थित है।

आप बहुत ही संवेदनशील और मिलनसार व्यक्ति हैं. आप बौद्धिक जिज्ञासा से युक्त हैं और अपनी आंतरिक भावनाओं को वाणी, कविता तथा लेखन के माध्यम से अच्छी तरह व्यक्त कर सकते हैं. आप तीक्ष्ण और विलक्षण बुद्धि के मालिक हैं. आप में विभिन्न प्रकार की बातों को जानने की अतृप्त जिज्ञासा है; इसी कारण आप इतिहास और पुरातत्व विषयों में विशेष रूचि रख सकते हैं . आप में प्रभावशाली संचार-व्यवहार की क्षमता है. आपको मज़ाक और हंसी ठठ्ठा करने की आदत है. आप एक अत्यंत मिलनसार व्यक्ति हैं, और अपने परिवेश में नए संपर्क बनाने का आनंद लेते हैं

> " आप बहुत आध्यात्मिक भी हैं

किसी भी तरह की नीरसता से आप जल्द ही ऊब जाते हैं और निरंतर विविधता की तलाश में लगे रहते हैं . आप ग्रहणशील मन अपने अंदर ढेर सारी जानकारी संचित करने की क्षमता रखता है . आप अपने आप को किसी भी प्रकार की परिस्थिति के अनुरूप ढालना में सक्षम हैं. आप अक्सर भावनात्मक या व्यक्तिगत कारणों के आधार पर निर्णय लेते हैं और सहजता से अपनी राय नहीं बदलते .आप में दूसरों की नकल उतारने तथा अनेक भाषाएँ सीखने की प्रतिभा है .

astrologyapi.com

आपमें दूसरोंके मन की बात को भाँपने की मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टि है. कैरियर की दृष्टि से मीडिया, लेखन और पत्रकारिता आप लिए अच्छे विकल्प हैं बिक्री और विज्ञापन के क्षेत्र भी आप के लिए उपयुक्त हैं.माता के साथ आपके मतभेद हो सकते हैं . मानसिक अस्थिरता के कारण आप अक्सर परिवेश के अनुसार अपने आप को बदलते रहते हैं; इस वजह से आप किसी एक बात पर दृढ़ रहने में असमर्थ हो जाते हैं. आप को मानसिक और बौद्धिक उत्तेजना की बहुत जरूरत पड़ती है.छोटी कन्याओं को भोजन और मिठाई खिलानी चाहिए. कभी भी अपनी बेटी के धन अथवा संपत्ति का उपयोग न करें . बेटी के जन्म के बाद चांदी या चावल का और बेटे का जन्म के बाद गेहूं और गुड़ का दान करें

चंद्र मंत्र	**॥ ॐ ऐं क्लीं सोमाय नमः ॥**

astrologyapi.com

ज्योतिष के अनुसार मंगल ग्रह हिम्मत और तानाशाही से सम्बंधित है। मंगल ग्रह को कार्य और विस्तार का ग्रह माना जाता है। मंगल, शक्ति, साहस, क्रोध, दुश्मन, हिंसा, छोटे भाई, बल, मांसपेशियों और वीरता से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **मीन**	अंश **21:31:10**	नक्षत्र **रेवती - 2**
स्वामी **चौथा ,ग्यारहवाँ भाव**	भाव में **तिसरा भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / कुमार**

मंगल आपकी कुंडली मे हानिप्रद है

आपके जन्मपत्रिका में मंगल तिसरा भाव में एवं मीन राशि में स्थित है।

आप अधीर और अतिसंवेदनशील व्यक्ति हैं, अपितु आप में मानसिक ऊर्जा की बहुतायत है. आप को अपने विचारों पर पूरा विश्वास है . आप शक्तिशाली, ऊर्जावान और साहसी हैं . आप किसी के साथ किसी भी बात पर समझौता नहीं करते. अपनी प्रशंसा और सराहना कराने के लिए आप किसी भी हद तक जा सकते हैं . आप को हर काम में सफलता प्राप्त होगी. आप सचेत, दृढ़ संकल्पी और उत्साही हैं. आपकी विश्लेषणात्मक सोच काफी विकसित है; आवेगी विचारों से बचें . आप हमेशा नवप्रवर्तनशील रहते हैं . आप काम करने के नए तरीकों की खोज में लगे रहते हैं. आप अच्छी शिक्षा पायेंगें; आपको कई भाषाओं का ज्ञान होगा . आप भी गणित में भी निपुण हैं

> " आप बहुत साहसी और आत्मविश्वासी हैं

आप अधीर और अतिसंवेदनशील व्यक्ति हैं, अपितु आप में मानसिक ऊर्जा की बहुतायत है. आप को अपने विचारों पर पूरा विश्वास है . आप बहुत साहसी और आत्मविश्वासी हैं . आप शक्तिशाली, ऊर्जावान और साहसी हैं . आप किसी के साथ किसी भी बात पर समझौता नहीं करते. अपनी प्रशंसा और सराहना कराने के लिए आप किसी भी हद तक जा सकते हैं . आप को हर काम में सफलता प्राप्त होगी. आप सचेत, दृढ़ संकल्पी और उत्साही हैं. आपकी विश्लेषणात्मक

astrologyapi.com

सोच काफी विकसित है; आवेगी विचारों से बचें . आप हमेशा नवप्रवर्तनशील रहते हैं . आप काम करने के नए तरीकों की खोज में लगे रहते हैं. आप अच्छी शिक्षा पायेंगें; आपको कई भाषाओं का ज्ञान होगा

आप भी गणित में भी निपुण हैं .आपका पारिवारिक और सामाजिक जीवन खुशहाल और आनंददायक रहेगा. आप के अपने भाई बहनों के साथ शांतिपूर्ण संबंध होंगें . आप को तरह तरह प्रकार के भोजन खाना पसंद हैं. हालांकि, आप को अपने आहार पर नियंत्रण रखना होगा . आप रक्त, रक्तचाप, हड्डीयों, तेज बुखार, दांत से संबंधित परेशानियों से पीड़ित हो सकते हैं .कई छोटी यात्राएं होंगीं . आपकी क्रूर और झगड़ालू प्रकृति की वजह से लोग आप से नफरत कर सकते हैं . अति वाद विवाद से बचें .अपनी आवाज पर नियंत्रण रखें. अपनी जेब में चौकोर आकार की चांदी का टुकड़ा रखें

मंगल मंत्र	**॥ ॐ हूं श्रीं भौमाय नमः ॥**

astrologyapi.com

बुध बुद्धि और शिक्षा का ग्रह है, यह भाषण और तर्क से सम्बंधित है और इस प्रकार व्यक्ति के संचार कौशल पर इसका प्रभाव पड़ता है। बुध स्मृति, भाषण, राजनीति, व्यापार और व्यापार, मित्रों, मामा, चाचा, भतीजे, दत्तक पुत्र और तर्क से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **कुम्भ**	अंश **13:47:22**	नक्षत्र **शतभिसा - 3**
स्वामी **छठा ,नौवां भाव**	भाव में **दूसरा भाव**	अस्त/अवस्था **हाँ / युवा**

बुध आपकी कुंडली मे लाभप्रद है

आपके जन्मपत्रिका में बुध दूसरा भाव में एवं कुम्भ राशि में स्थित है।

आप जन्म से ही शारीरिक रूप से बलवान हैं . आप आलसी भी हैं . आप दयालु और उदार हैं. आप हमेशा हंसमुख और खुश रहते हैं; आप दिल खोल कर हँसते हैं . आप को पुरानी वस्तुएं एकत्र करने में रुचि है तथा पुरातात्विक चीजों से प्यार है. आप चतुराई से बाते करते हैं और चालाकी से दूसरों के माध्यम से काम निकलवाने में सक्षम हैं . आप संवाद-व्यवहार में कुशल हैं . आप लिखने और बोलने के माध्यम से दूसरों के साथ वैचारिक संपर्क बनाने की क्षमता रखते हैं

> " आप जानकार और कुशाग्र बुद्धि हैं

आप की स्वयं की इंटरनेट पर एक या एक से अधिक वेबसाइट होंगीं और आप प्रायः ई-कॉमर्स में शामिल हों सकते हैं; आप ओन लाइन विज्ञापनों से पैसा कमा सकते हों .आत्मसम्मान आपके विचारों की विशेषता हैं; आप के विचार ही आपकी पहचान हैं. आप सिद्धांतों के प्रति बहुत जागरूक हैं . आपकी बुद्धि किसी भी प्रकार के वित्तीय उद्यम के लिए एक महान साधन है. आपका मन वाणिज्य-संबंधी मामलों और पैसा बनाने की तरकीबों पर केंद्रित रहता है . आप

astrologyapi.com

पैसे कमाने के लिए अपनी बुद्धि, ज्ञान और बहुमुखी प्रतिभा का लाभ उठा सकते हैं . आप में वित्तीय कौशल तो है, लेकिन आपका धन कभी स्थिर नहीं रहेगा . आप अर्थशास्त्री, योजनाकार, विक्रेता, प्रभावशाली लेखक, जन संचारक के रूप में काफी सफल करियर बना सकते हैं

आप कविता, भाषण, ज्योतिष, वक्तृत्व कला या अन्य ऐसे प्रकार के कार्यों में अपनी गुणवत्ता के माध्यम से आय उपार्जित कर सकते हैं. आप आरामदायक और शानदार वस्तुओं का मज़ा लेते हुए एक समृद्ध जीवन जीने में विश्वास रखते हैं. आप को किताबों, वीडियो, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, शिक्षा, आदि पर पैसा खर्च करना पसंद है. आप को महिलाओं के माध्यम से धन प्राप्त होगा. आप के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ अच्छे संबंध होंगें और उनकी कृपा से लाभान्वित भी होंगें .आप पेट संबंधित व्याधियों, टॉन्सिल, गले में खराश आदि बीमारियों से ग्रस्त हो सकते हैं. महिलाओं का सम्मान करें . पालतू जानवर के रूप भेड़, बकरी और तोते रखना सख्त वर्जित है

बुध मंत्र	**॥ ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नमः ॥**

astrologyapi.com

बृहस्पति को मंत्रि ग्रह माना जाता है जो ज्ञान, खुशी और अच्छे भाग्य से संबंधित है। बृहस्पति धन, ज्ञान, गुरु, पति, पुत्र, नैतिक मूल्यों, शिक्षा, दादा दादी और शाही सम्मान का कारक है। यह धार्मिक धारणा, भक्ति और लोगो के विश्वास को दर्शाता करता है।

आपकी कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **मकर**	अंश **10:01:21**	नक्षत्र **श्रावण - 1**
स्वामी **बारहवां ,तिसरा भाव**	भाव में **पहला भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / वृद्ध**

गुरु आपकी कुंडली मे हानिप्रद है

आपके जन्मपत्रिका में गुरु पहला भाव में एवं मकर राशि में स्थित है।

आप को आधे सिर का दर्द, आकस्मिक विकार, मानसिक समस्याएं, आदि जैसे रोग हो सकते हैं . आप अक्सर परास्त और थका महसूस करते हैं . दूसरों की आलोचना करने से बचें .आपका आत्मविश्वास आप को एक अच्छा नेता और संस्थापक बना सकता है . आप शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचाइयों तक पहुंच पायेंगें . आपको व्यक्तिगत विकास और विस्तार के लिए कई अवसर प्राप्त होंगें. आप अपनी असाधारण दरियादिली और प्रवीणता के कारण लोगों द्वारा सम्मानित किये जाते हैं

> " आप को सुबह खली पेट शहद का सेवन करना चाहिए

आप की आध्यात्मिक अध्ययन में रूचि हो सकती हैं . आप एक अच्छे शिक्षक, प्राचार्य, न्यायाधीश, सलाहकार अथवा आध्यात्मिक गुरु बन सकते हैं . जीवन के हर ८वें वर्ष आपकी वृद्धि या उन्नति होगी - फिर चाहे वह स्वयं के प्रयासों से हो या फिर सरकार अथवा मित्रों के माध्यम से हो .आपके माता-पिता आपको बहुत लाड़ प्यार करेंगें . आप को काफी सारी संपत्ति विरासत में प्राप्त होने की संभावना हैं . आपका वैवाहिक जीवन भी काफी हद तक सफल होगा

astrologyapi.com

आपके बच्चों को भी समाज में नाम और प्रसिद्धि प्राप्त होगी . आपकी आयु लम्बी होगी. व्यापक रूप से आप स्वस्थ रहेंगें . आप मोटापे, सांस या दिल से संबंधित समस्या, रक्त अशुद्धता, गठिया, यकृत की शिकायत, कमजोर दृष्टि, इत्यादि रोगों से पीड़ित हो सकते हैं. २४वें या २७वें वर्ष में न तो विवाह करें और न ही अपनी कमाई से अपने मकान का निर्माण करवाएं . पीपक का वृक्ष कभी न काटें

गुरु मंत्र	**॥ ॐ ह्रीं क्लीं हूं बृहस्पतये नमः ॥**

astrologyapi.com

वीनस कामुक सुख और कामुक आवेगों से सम्बंधित है। चमक और जीवन शक्ति का ग्रह होने के नाते भौतिकवाद और मांस के आनंद को दर्शाता है। वीनस को यौन इच्छाओं (काम), कामेच्छा, पत्नी का महत्व का कारक माना जाता है। यह जुनून, विवाह, लक्जरी लेख, गहने, वाहन, आराम और सुंदरता से संबंधित है।

आपकी कुंडली में शुक्र ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **मीन**	अंश **22:29:17**	नक्षत्र **रेवती - 2**
स्वामी **पाँचवा ,दसवां भाव**	भाव में **तिसरा भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / कुमार**

शुक्र आपकी कुंडली मे योगकारक है

आपके जन्मपत्रिका में शुक्र तिसरा भाव में एवं मीन राशि में स्थित है।

आप में शब्दों की अच्छी पकड़ है और कविता लिखने की प्रतिभा भी है . आप मनोहर शब्दों का प्रयोग करने वाले एक आकर्षक वक्ता हैं . आप व्यवहार कुशल हैं और अपने आकर्षक तथा अर्थपूर्ण अभिव्यक्ति के कारण लोगों द्वारा पसंद और सम्मानित किये जाते हैं . आप को कोलाहलपूर्ण, अशिष्ट व्यवहार और बोलचाल नापसंद हैं . अभद्र भाषा से आप घृणा करते हैं . आप के भीतर अपार शक्ति और जोश भरा हैं . आप रचनात्मक और कलात्मक मिश्रण के साथ पैदा हुए हैं. आप फैशन, सिनेमा, मीडिया और अभिनय में दिलचस्पी लेते हैं

> " दिमागी खेल खेलना आप बखूबी जानते हैं

आप को कठिन शारीरिक परिश्रम करना पसंद नहीं है. लेकिन आप की मानसिक शक्ति बहुत तीव्र है . आप एक बहुत अच्छे मध्यस्थ भी हैं, जो अपने तर्क द्वारा जल्दी ही वाद विवाद को व्यवस्थित रूप से निपटाकर शांति बहाल कर सकते हैं . आप अपने पेशे को गंभीरता से लेते हैं . आप को व्यवसाय सम्बन्धी लघु यात्राओं और दौरों पर जाने के अवसर मिलेंगें . आप कई नए मित्र बनायेंगें और उनके सहयोग से लाभान्वित भी होंगें . राजनीतिक कार्यों में आपकी रुचि होगी;

astrologyapi.com

आप अपने व्याख्यान और भाषणों द्वारा लोगों को बेहतर समाज के निर्माण के लिए प्रभावित करने में समर्थ हैं . अवसर मिलने पर आप खुद को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित और सिद्ध कर सकते हैं

आप को प्रशासन, बिक्री, विज्ञापन, संचार-व्यवस्था, प्रकाशन और मीडिया उत्पादन, रेस्तरां जैसे कार्यों में सफलता मिलेगी .भाईबहन के साथ संबंध आमतौर पर सुखद रहेंगें. अपनी पत्नी से जीवन के सभी क्षेत्रों में सहयोग मिल पाएगा . आप महिलाओं की तरफ जल्द ही आकर्षित हो जाते हैं . अपनी पत्नी का सम्मान करें और विवाहेतर संबंधों से बचें . गलें की समस्याओं के प्रति सावधान रहें . किसी से दान स्वीकार न करें

शुक्र मंत्र	**॥ ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नमः ॥**

astrologyapi.com

शनि एक धीमी गति का ग्रह है। इसे न्याय, तर्क और विनाशकारी शक्तियों का ग्रह कहा जाता है। यह आपदाओं और मृत्यु से संबंधित है। शनि को एक शिक्षक के रूप में भी माना जाता है। शनि लंबी उम्र से सम्बंधित है। यह देरी, अवरोध, दु: ख, नुकसान, चोरी, बुढ़ापे, दु: ख, प्रतिकूलता और आजादी सेसम्बंधित है।

आपकी कुंडली में शनि ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि	अंश	नक्षत्र
वृश्चिक	04:20:46	अनुराधा - 1
स्वामी	**भाव में**	**अस्त/अवस्था**
पहला ,दूसरा भाव	ग्यारहवाँ भाव	नहीं / मृत

शनि आपकी कुंडली मे लाभप्रद है

आपके जन्मपत्रिका में शनि ग्यारहवाँ भाव में एवं वृश्चिक राशि में स्थित है।

आप एक शांत और सहनशील व्यक्ति हैं . आप मुक्त आत्मा हैं; आपको अपने व्यक्तिगतता बहुत प्रिय है . आप की काफी उम्मीदें और सपने हैं और आप अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रति पूर्णतया समर्पित हैं . अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आप कर्तव्यनिष्ठां और जिम्मेदारी से कड़ी मेहनत करते हैं . सहनशीलता और धैर्य आपकी ताकत हैं . कभी कभी आप कुछ हद तक झूठ बोलते हैं और छल भी कर सकते हैं .आप गंभीर या उद्देश्ययुक्त समूहों के प्रति आकर्षित होते हैं . समाज में आपकी अच्छी प्रतिष्ठा है और लोगों के साथ आपके संबंध मधुर ही होते हैं . आप हर आयु समूह के साथ घुल मिल जाने में सक्षम हैं

> " आप काफी बहादुर और समझदार हैं

लोग आप का सम्मान करते हैं . आप के कई परिचित होंगें, लेकिन केवल कुछ ही करीबी मित्र हैं . विपरीत लिंग के लोगों के साथ आप के घनिष्ठ और अंतरंग संबंध हो सकते हैं .आप को जीवन में कई बार नेतृत्व और आधिकारिक पद प्राप्त हो सकते हैं . आप का भविष्य राजनीति और शिक्षण के क्षेत्रों में उज्जवल है .

astrologyapi.com

आप टेक्नोलोजी और वित्त से संबंधित काम में सफल हो सकते हैं . आप आंतरिक सजावट, इवेंट मैनेजमेंट, कार डिजाइनिंग, नेटवर्किंग, आदि का व्यवसाय कर सकते हैं . आप जो भी रास्ता चुनते हैं, उसके प्रति बहुत समर्पित रहते हैं

आप को अपने बच्चों के द्वारा और अपनी स्वयं की रचनात्मकता से लाभ होगा.आप के अपने परिवार के सदस्यों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध होंगें - विशेष रूप से अपने भाईबहनों के साथ . आप को माता पिता की जायदाद विरासत में प्राप्त होगी .आप के अपने परिवार के सदस्यों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध होंगें - विशेष रूप से अपने भाईबहनों के साथ . आप को माता पिता की जायदाद विरासत में प्राप्त होगी .ठन्डे, तले हुए और गरिष्ठ भोजन और मदिरा से दूर रहें . चरित्र और अंतर्मन को शुद्ध और निष्कलंक रखें . अपने घर को स्वच्छ और हवादार रखें

शनि मंत्र	**॥ ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः ॥**

astrologyapi.com

अजीब और अपरंपरागत ग्रह होने के कारण राहु भौतिकवाद से सम्बंधित है और कठोर वाणी, कमी और इच्छा से सम्बंधित है। राहु को ट्रान्सेंडेंटलिज्म का ग्रह कहा जाता है। यह विदेशी भूमि और विदेशी यात्रा से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में राहु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **मेष**	अंश **28:41:42**	नक्षत्र **कृतिका - 1**
स्वामी **नौवां भाव**	भाव में **चौथा भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / मृत**

आपके जन्मपत्रिका में राहु चौथा भाव में एवं मेष राशि में स्थित है।

आप विचारशील और अति बुद्धिमान व्यक्ति हैं. आप ईमानदारी के साथ अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूरा करते हैं . सभी आप को पसंद करते हैं . आप अत्यधिक अभिलाषी हैं; जब आप की इच्छाओं पूरी नहीं हो पाती तब आप अवसाद से पीड़ित हो सकते हैं . मानसिक परेशानी या दुर्भाग्य के समय में भी आप धैर्य बनाए रखने में सक्षम हैं . आप धार्मिक और परोपकारी उद्देश्यों पर बहुत सारा पैसा खर्च करेंगें. आपका व्यवहार कभी समरूप नहीं रहता है. आप एक समय में कई काम शुरू तो कर लेते हैं, लेकिन कोई भी काम पूरा नहीं कर पाते . सब कुछ होने के बावजूद, आप पूरी तरह से संतुष्ट नहीं रहेंगें

> " जब आप सार्वजनिक रूप से बोलते हैं, आप आकर्षण का केंद्र बन जाते हैं

आप एक शानदार जीवन व्यतीत करेंगे . आप वित्तीय सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचेंगें और घर में समृद्धि रहेगी . आप में भूमि, भवन, जायदाद, वाहन, आदि के स्वामित्व अधिकार पाने की अति तीव्र इच्छा है . आप सट्टा बाजार और अचल संपत्ति में भी निवेश कर सकते हैं . आपको रियल एस्टेट से आकस्मिक लाभ मिल सकता है.आप परिवहन, शिपिंग, संचार विभाग या किसी अन्य संबंधित व्यवसाय में करने संलग्न हो सकते हैं . आप पुस्तक विक्रेता और वित्तीय दलाल की भूमिका में भी पैसे कमा सकते हैं . अपने काम या व्यवसाय के कारण आपको अपने घर और परिवार से दूर रहना पड़ सकता है . निवास स्थान और कार्य स्थल में परिवर्तन होते रहेंगें

आपका घरेलू जीवन आनंददायक और खुशहाल होगा. शादी के बाद आपको भारी धन और स्वास्थ्य लाभ होगा. आपकी माँ का स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं रहेगा. भाई बहनों के साथ तनावपूर्ण रिश्तें हो सकते हैं . आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते हैं . आप लकवा, दिल की समस्या, दांत के रोग, काली खांसी, इ.

astrologyapi.com

से पीड़ित हो सकते हैं.आप किसी भी रूप में चांदी पहनना चाहिए . अपने घर में शुद्ध पानी से भरा पीतल का बर्तन रखें . २७ वर्ष की आयु से पहले शादी न करे

राहु मंत्र	**॥ ॐ ऐं ह्रीं राहवे नमः ॥**

astrologyapi.com

केतु मोक्ष, पागलपन का ग्रह है। यह आध्यात्मिकता से सम्बंधित है। केतु रहस्यमय, भ्रामक, गुप्त और पेचीदा ग्रह है। केतु दर्द, रहस्य, गुप्त विज्ञान, उदासीनता, दर्शन, अलगाव और कारावास का प्रतीक है।

आपकी कुंडली में केतु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि	अंश	नक्षत्र
तुला	28:41:42	विशाखा - 3
स्वामी	भाव में	अस्त/अवस्था
तिसरा भाव	दसवां भाव	नहीं / मृत

आपके जन्मपत्रिका में केतु दसवां भाव में एवं तुला राशि में स्थित है।

आप लोकप्रिय, प्रतिभाशाली और जोश से भरे हुए हैं . आप एक सैद्धांतिक और प्यारे व्यक्ति हैं . आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी बाधाओं पर काबू पाने में सक्षम हैं . ईमानदारी और निस्वार्थता आपकी शक्तियां हैं . अपने कर्तव्यों और दायित्वों को पूरा करने के लिए आप काफी बेचैन रहते हैं . स्वतंत्रता आप का सत्व है . आप पाखंड, छल इ. के प्रति काफी संवेदनशील हैं . आप के मन में अज्ञात भय रहता है . आप को अस्वीकृति का डर सताता है

> " आप बहुमुखी व्यक्तित्व हैं

वैवाहिक जीवन साधारणतः संतोषजनक रहेगा .आप को एक ऐसे कैरियर की जरूरत है जो अपरंपरागत और असामान्य हो . विभिन्न क्षेत्रों में अभिरुचि होने के कारण आप अपना व्यवसाय बदलते रहते हैं . आप के आय के एक से अधिक स्रोत हो सकते हैं . आप राजनीति, खेल, तकनीक, वित्त, आदि के क्षेत्रों में सफल होंगे . किसी और के लिए काम करने की बजाय आप खुद के मालिक होना पसंद करते हैं . आप एक फ्रीलांसर या एक ठेकेदार के रूप में अच्छा काम कर सकते हैं . आप एक कुशल संगीतकार, शिल्पकार, या किसी भी व्यापार के स्वतंत्र उद्यमी बन सकते हैं . आप पुरातत्व, प्राचीन वस्तुओं, इतिहास, अनुसंधान, जैसे व्यवसायों के लिए अनुकूल हैं

आप में एक प्रभावशाली ज्योतिषी, दार्शनिक, या आध्यात्मिक प्रचारक होने की भी क्षमता है . आप सरकारी विभाग या कॉरपोरेट जगत में उच्च जिम्मेदारी तथा उच्च जवाबदेही वाली भूमिकाओं के लिए उपयुक्त नहीं हैं. आपके कैरियर में कई उतार चढ़ाव संभव हैं . आप अपने पैतृक स्थान से दूर स्थानों में समृद्ध और अच्छे पैसे कमा पायेंगें . आप विदेश भी जा सकते हैं . अधिकार या सम्मान के पदों को प्राप्त करने के अपने लक्ष्य में आप पारिवारिक संबंधों और व्यक्तिगत

astrologyapi.com

चिंतन के लिए समय ही नहीं निकाल पातें .आप टी बी, लकवा, पेट के रोग, घुटने की तकलीफ, त्वचा रोग और गठिया आदि जैसे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हो सकते हैं . विवाहेतर संबंधों से बचें

केतु मंत्र	**॥ ॐ ह्रीं ऐं केतवे नमः॥**

astrologyapi.com

उल्का योगिनी दशा

प्रारंभ तिथि:	9-3-2021 11:54
समाप्ति तिथि:	9-3-2027 11:54

उल्का योगिनी दशा की छठी योगिनी दशा है। इसकी अवधि 6 वर्ष की होती है तथा इसके स्वामी "शनि" को माना गया है। उल्का को एक अशुभ दशा माना गया है। शनि की छाया की वजह से इस अवधि को चुनौतीपूर्ण माना गया है तथा इस दौरान आपका जीवन प्रतिकूल दशा में चलने की संभावना है। चूँकि उल्का योगिनी की दशा के साथ उसकी अन्तर्दशा भी आती है इसलिए ये जरुरी नहीं है कि इस पूरी अवधि में आपका समय ख़राब ही चलेगा इस योगिनी की अंतर्दशा की वजह से उसके कुछ अच्छे और अनुकूल परिणाम भी आपको देखने को मिलेंगे। ये दशा हमेशा अशुभ फल ही दे ऐसा जरुरी नहीं है। इस दशा के स्वामी शनि है तो इस दशा में आपके जीवन के विभिन्न पहलुओं में कुछ न कुछ चुनौती का सामना आपको करना ही पड़ेगा। आपके कार्यक्षेत्र में परेशानी आ सकती है। आपके द्वारा किये गए कार्य में देरी हो सकती है या फिर आपने कोई काम बिल्कुल सही ढंग से किया हो सब सही चल रहा हो किन्तु अंतिम समय में कुछ परिस्थिति ऐसी हो जाये जिसकी वजह आपका कार्य बिगड़ सकता है या परिणाम में देरी हो सकती है। ऐसी परिस्थिति में आप अपना धैर्य न खोये और न ही जल्दबाज़ी में कोई फैसला लें। शनि के प्रभाव की वजह से आपका आपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तनावपूर्ण संबंध हो सकता है इसलिए आपको ये सलाह दी जाती है कि आप जितना हो सके गलती करने से बचें। आपके दफ्तर में आपके साथ काम करने वाले सहकर्मी का व्यवहार आपके प्रति बदल सकता है। आपको पहले की तरह सहयोग नहीं भी कर सकते है तो ऐसी परिस्थिति में खुद पर संयम रखें और शांति के साथ उनसे बातचीत करें।

आर्थिक रूप से भी आपको कुछ दिक्कत होने की संभावना है। जहाँ एक तरफ आप धन संचय की योजना बनाने की कोशिश करेंगे वही दूसरी तरफ आपके घर चोरी होने की संभावना हो सकती है।, इसलिए आपको अपने घर में कीमती सामान को सुरक्षित रखना चाहिए।

आपके घर का माहौल उदास हो सकता है जिसका कारण आप और आपके परिवार ही होंगे। आपके बच्चों की तरफ से आपको प्रतिकूल समाचार मिलने की संभावना है जैसे उनके परीक्षा के परिणाम या अनुकूल विद्यालय में नामांकन का न होना इत्यादि। इसके साथ ही आपको अपने और अपने बच्चों तथा माता-पिता की सेहत का भी खास ख्याल रखना चाहिए। आपको अपने रिश्तेदारों के स्वास्थ्य पर भी नज़र रखना चाहिए क्योंकि इस अवधि के दौरान उनकी तरफ से किसी बड़े की मृत्यु की संभावना बन सकती है।

इन तमाम बातों और परिस्थिति को देखते हुए आपको ये सलाह दी जाती है कि आप अपने मन को शांत रखें, किसी भी कार्य में जल्दबाज़ी न करें और अपना धैर्य बनाये रखें।

उपाय

- उल्का महादशा के दौरान 7 और 14 मुखी रुद्राक्ष धारण करने से आपको लाभ प्राप्त होगा।

उल्का - उल्का दशा

प्रारंभ तिथि:	9-3-2021 11:54
समाप्ति तिथि:	9-3-2022 17:54

astrologyapi.com

उल्का योगिनी की पहली अंतर्दशा "उल्का अंतर्दशा" है। इसकी अवधि लगभग 14 महीने तक चलती है। शनि की दशा में शनि की अंतर्दशा होने की वजह से ये समय आपके लिए बहुत कठिन हो सकता है। आपके करियर से लेकर आपके व्यक्तिगत संबंध तक आपको को चुनौती और कई नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आपके रोजगार के क्षेत्र में आपका काम ढंग से न चलने की संभावना है जिसकी वजह से आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके खुश नहीं रहेंगे और आपकी नौकरी जाने की संभावना बन सकती है। नौकरी जाने की वजह से आपको आर्थिक तंगी का सामना भी करना पड़ सकता है।

आपके व्यक्तिगत संबंध भी अच्छे और सुचारु ढंग से नहीं चलेंगे। आपका वैवाहिक जीवन भी सुखद रूप से चलने में परेशानी है, आपका और आपके जीवनसाथी के बीच मतभेद होने की सम्भावना है। आपके परिजन भी आपसे किसी भी कारणवश खुश नहीं रहेंगे। सेहत के मामले की बात करें तो उसमे भी आपको कुछ कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी सेहत को लेकर थोड़ी भी आशंका होती है तो तुरंत आपको डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। आपको अपने रिश्तेदारों का भी ध्यान रखना चाहिए क्योंकि इस दौरान आपके रिश्तेदार में मृत्यु की संभावना है। आपको ये सलाह दी जाती है कि आप इस अवधि के दौरान सचेत रहें और अपनी बुद्धि से काम लें।

उपाय

- शनि की स्थिति को मजबूत करने के लिए कस्तूरी, सेमल के पेड़ की टहनियाँ और सामग्री, बेल के पत्ते या फल, और कैक्टस और गुलाब जैसे कांटेदार पौधों का उपयोग करें। हवन करते समय मुख्य सामग्रियों के साथ-साथ शमी/खेजड़ी के पेड़ या सेमल की शाखा, पत्ते या टहनी का भी हवन में उपयोग कर सकते हैं। संकटा तथा उल्का दशा के दौरान उपाय करना आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

- उल्का महादशा के दौरान 7 तथा 14 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी सिद्ध होगा।

उल्का - सिद्धि दशा

प्रारंभ तिथि:	9-3-2022 17:54
समाप्ति तिथि:	9-5-2023 20:54

उल्का योगिनी की दूसरी अंतर्दशा "सिद्धा अंतर्दशा" है। इसकी अवधि 16 महीनों की होती है तथा इसके स्वामी "शुक्र" को माना गया है। शनि और शुक्र की मिलीजुली प्रभाव की वजह से इस अन्तर्दशा का प्रभाव भी मिश्रित देखा जाता है।

शुक्र के प्रभाव की वजह से इस अवधि में आपका थोड़ा कल्याण हो सकता है, किन्तु शनि के प्रभाव होने की वजह से सब कुछ एकदम से ठीक नहीं हो जायेगा आपके कार्य में बाधाएं आयेंगी किन्तु आप उसे अपनी मेहनत और दृढ़ता से दूर करने में सक्षम होंगे। आप अपने दृढ मेहनत और विश्वास से अपने लक्ष्य को पाने में सक्षम होंगे। इस अवधि में आपकी मेहनत और लगन ही आपकी सफलता की कुंजी होगी।

इस अवधि के दौरान आपको अच्छी ख़बरें मिलेंगी आपका विदेश यात्रा की संभावना बन सकती है। अपने छुट्टी का समय आप अपने परिवार और मित्रों के साथ बितायेंगे, उनके साथ यात्रा की योजनाएं बनायेंगे। यात्रा करते हुए आप हर जरुरी दस्तावेज अपने साथ रखें और अपनी कीमती सामान को अपने पास संभाल के रखें। ये अवधि आपके लिए शुभ और अशुभ दोनों पहलु को लेकर आती है इसलिए आपको सावधान रहने की जरूरत है।

आपका स्वास्थ्य आपके चिंता का कारण बन सकता है इसलिए डॉक्टर की सलाह का पालन करने का प्रयास करें और स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं। इस अवधि के दौरान आपको किसी प्रिय को खोने का डर भी आपको परेशान कर सकता है। आपको ये सलाह दी जाती है कि किसी भी बात को लेकर अधिक न सोचें जो आपके तनाव का कारण बनें और हर परिस्थिति में समझदारी से काम लें।

astrologyapi.com

उपाय

- शुक्र की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए छोटी इलायची, गूलर के पौधे, सेमल के पेड़ का कोई भाग, सुगंध वाली वस्तुएं जैसे इत्र और धूप, फूल के पौधों का उपयोग करना चाहिए। हवन करते समय मुख्य सामग्रियों के साथ-साथ गूलर का भी उपयोग करना चाहिए। हवन में गूलर के पत्ते, या टहनी का प्रयोग करें। उल्का सिद्धा दशा के दौरान ये उपाय करने से आपको लाभ प्राप्त होगा।

- उल्का महादशा के दौरान 7 तथा 14 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी सिद्ध होगा।

उल्का - संकटा दशा

प्रारंभ तिथि:	9-5-2023 20:54
समाप्ति तिथि:	7-9-2024 20:54

उल्का योगिनी की तीसरी अंतर्दशा "संकटा अंतर्दशा" है। इसकी अवधि 2 महीने की होती है तथा इसके स्वामी "राहु" है। इस अवधि को नकारात्मक और कठिन माना जाता है क्योंकि इस अंतर्दशा पर राहु का साया है।

माना जाता है कि राहु की मौजूदगी जीवन में अशांति फैलाती है, इसलिए इस अवधि को चुनौती से भरा हुआ माना जाता है। ये समय आपके और आपके परिवार के लिए कठिन हो सकता है। आपका परिवार, आपके जीवनसाथी, आपके बच्चे, गृहस्थ और मित्र सभी कठिन समय से गुजर सकते हैं। जहां वे स्वास्थ्य को लेकर, वित्तीय नुकसान को लेकर, स्कूल में किसी कठिनाई से या रोजगार के क्षेत्र में परेशानी से पीड़ित हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में एक दूसरे का साथ देने की कोशिश करें, एक दूसरे का सहारा बनें। इस अवधि में अपने रिश्तेदार और अपने माता-पिता की सेहत का ख्याल रखें। किसी भी परिस्थिति में तनाव से बचें क्योंकि तनाव आपके स्वास्थ्य के साथ-साथ आपके मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती है। डॉक्टर की सलाह का पालन करने और स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने का प्रयास करें। इस अवधि के दौरान आप पने किसी प्रियजन को खो सकते हैं। आपके परिवार के लोग कई बार आपके विचारों से सहमत नहीं होंगे। आपके रिश्तेदार आपकी समझ और विचार के खिलाफ काम कर सकते है, जिसकी वजह से आपको अनेक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको ये सलाह दी जाती है कि जितना हो सके इस समय विवादों से बचें, ये समय थोड़ा कठिन है इसलिए इस समय में थोड़ी सावधानी बरतें।

उपाय

- राहु को मजबूत करने के लिए आपको मुरमुरे, मकोय का पौधा या टहनी, अदरक या सोंठ, सूखे तले हुए अनाज से बनी चीजें और बरमूडा घास का उपयोग करना चाहिए। केतु की स्थिति को मजबूत करने के लिए ईख से बनी वस्तुएं, नारियल के रेशे से बनी वस्तुएं, सेंधा नमक, सोफ, गिलोय, नींबू का प्रयोग हवन के लिए कर सकते हैं। हवन करते समय मुख्य सामग्रियों के साथ-साथ हरी दूर्वा घास या ईख का भी हवन में प्रयोग करना चाहिए। संकटा दशा के दौरान ये उपाय करने से आपको अत्यंत लाभ प्राप्त होगा।

- उल्का महादशा के दौरान 7 तथा 14 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी सिद्ध होगा।

astrologyapi.com

उल्का - मंगला दशा

प्रारंभ तिथि:	7-9-2024 20:54
समाप्ति तिथि:	7-11-2024 17:54

उल्का योगिनी की चौथी अंतर्दशा "मंगला अंतर्दशा" है। इसकी अवधि 5 महीनों की होती है तथा इसके स्वामी "चंद्रमा" को माना गया है। चन्द्रमा की प्रभाव की वजह से इस अवधि का प्रभाव भी आपके जीवन में अनुकूल ही होगा।

आपके जीवन में चल रही कठिनाईयों से चंद्रमा आपको आवश्यक राहत दिलाएगा। इस अवधि के दौरान आपको अनेक लाभ प्राप्त होंगे और साथ ही आपको करियर के क्षेत्र में भी अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आपको अपनी परियोजनाओं में सफल होने के लिए आवश्यक समर्थन मिल सकता है। यदि आप व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते है तो आपको आपके व्यवसाय में निवेश करने के लिए अच्छे निवेशक मिल सकते है। आपकी नौकरी की तलाश भी इस अवधि में आ कर पूरी होगी। आपके निजी संबंध भी अच्छे होंगे इस अवधि के दौरान तथा आपका परिवार आपकी खुशियों का कारण बन सकता है। आप पाने जीवनसाथी और अपने बच्चों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे साथ ही उनकी तरफ से आपको कुछ अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

आप यदि अपनी पढाई बढ़ाना चाहते है तो ये समय आपके पढ़ाई को आगे बढ़ाने के लिए सबसे बेहतर समय है, इस अवधि में आप किसी भी विषय में अपना नामांकन करवा सकते है ये आपके लिए बेहतर परिणाम के अवसर लेकर आयेगा। इस अवधि के दौरान आपकी स्वास्थ्य संबंधी सारी परेशानी से भी राहत मिल सकती है।

उल्का - पिंगला दशा

प्रारंभ तिथि:	7-11-2024 17:54
समाप्ति तिथि:	9-3-2025 11:54

उल्का योगिनी की पांचवीं अंतर्दशा "पिंगला अंतर्दशा" है। इसकी अवधि 5 महीनों की होती है तथा इसके स्वामी "सूर्य" को माना गया है। सूर्य के कठोर स्वभाव का प्रकोप इस अवधि के प्रभाव में भी देखा जा सकता है, आमतौर पर ये अवधि एक प्रतिकूल चरण के रूप में जाना जाता है।

शनि और सूर्य दोनों का मिलाजुला रूप आपके जीवन में कुछ चुनौतियाँ लेकर आता है। आपके कार्यक्षेत्र और आपके परिवार दोनों ही तरफ से आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा भो सकता है कि कई चीजें आपके द्वारा बनायी गयी योजना के अनुसार नहीं चले। जिसकी वजह से आपको काम और घर में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इस अवधि में आपके माता-पिता का स्वास्थ्य आपके चिंता का विषय बना रह सकता है। इसलिए उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखें और डॉक्टर के द्वारा दी गयी सलाह का पालन करें।

आपको यात्रा करने के अवसर प्राप्त हो सकते है किन्तु यात्रा पर निकलने के दौरान आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। इस अवधि के दौरान यदि आप कार्य की वजह से यात्रा करते है तो वो यात्रा आपकी सफल नहीं होने की भी संभावना है। स्वास्थ्य संबंधी समस्या भी आपको हो सकती है इसलिए आपको नियमति उपचार करना चाहिए और डॉक्टर के संपर्क में रहना चाहिए।

उपाय

- आप बेलपत्र, कमल के बीज, महुआ के पेड़ के फूल, लाल चंदन, आक के पेड़ के फूल, पत्ती और लकड़ी तथा आंवला जैसी वस्तु अपने पास रख सकते हैं। इनमें से एक या एक से अधिक वस्तुएं रखने से आपको लाभ होगा क्योंकि इन वस्तुओं से भगवान सूर्य प्रसन्न होंगे। हवन करते समय

astrologyapi.com

मुख्य सामग्री के साथ-साथ आक का भी प्रयोग करना चाहिए। मंगला पिंगला दशा के दौरान इन उपायों को करना लाभकारी सिद्ध होगा।

- उल्का महादशा के दौरान 7 तथा 14 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी सिद्ध होगा।

उल्का - धान्य दशा

प्रारंभ तिथि:	9-3-2025 11:54
समाप्ति तिथि:	8-9-2025 2:54

उल्का योगिनी की छठी अंतर्दशा धन्य है। इसकी अवधि 9 महीने की होती है तथा इसके स्वामी "बृहस्पति" है। इस अवधि को एक कठिन अवधि माना गया है और इस अवधि के प्रभाव भी प्रतिकूल होते है। इस अवधि में आपको कई सारी समस्या का सामना करना पड़ सकता है, आपके जीवन में कठिन चुनौतियां आयेंगी। इस अवधि में आपको अपने स्वास्थ्य का बेहद ख्याल रखना चाहिए क्योंकि आपको स्वास्थ्य संबंधी कुछ समस्या हो सकती है। यदि आपकी सेहत से जुड़ी कोई परेशानी तुरंत खत्म नहीं हो रही है तो आपको जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

आपको रोजगार के क्षेत्र में भी कई परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपके साथ वाले सहकर्मी आपके विरोध में खड़े हो सकते है, आपके वरिष्ठ आपके कार्य से संतुष्ट नहीं होंगे जिसकी वजह से आपकी नौकरी खतरे में आ सकती है। कोई भी कार्य करते हुए आप अपना धैर्य न खोये, अपना सारा ध्यान अपने कार्य पर केंद्रित करें। जल्दबाज़ी में कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे आपको बाद में पछताना पड़े।

आपको अपने कार्य में बहुत अधिक प्रगति नहीं मिलने की संभावना है जिसकी वजह से आपको निराशा हो सकती है, किन्तु इस वक़्त आपको हौसले के साथ काम लेना चाहिए ताकि आप इस दुर्लभ परिस्थिति का सामना कर सकें। आपके व्यक्तिगत संबंध भी इस अवधि में प्रभावित होंगे। आपको ये सलाह दी जाती है कि आप जल्दीबाज़ी में फैसला लेने से बचें।

उपाय

- आप बृहस्पति की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए अनाज, नींबू, हल्दी, पीला सरसों और पीपल के पेड़ से बनी छोटी गोलियों का उपयोग कर सकते हैं। आपको अपने साथ रेशम और प्राकृतिक कपास रखना चाहिए। हवन करते समय मुख्य सामग्रियों के साथ-साथ पीपल के पेड़ की शाखाओं और पत्तों का भी हवन में उपयोग करना चाहिए। संकट धान्या दशा के दौरान ये उपाय करने से आपको बहुत लाभ प्राप्त होगा।

- उल्का महादशा के दौरान 7 तथा 14 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी सिद्ध होगा।

उल्का - भ्रामरी दशा

प्रारंभ तिथि:	8-9-2025 2:54
समाप्ति तिथि:	9-5-2026 14:54

उल्का योगिनी की सातवीं अन्तर्दशा भ्रामरी है। इसकी अवधि 10 महीने की होती है तथा इसके स्वामी "मंगल" है। मंगल के प्रभाव की वजह से ये

astrologyapi.com

समय थोड़ा कठिन होता है और इसके प्रभाव भी प्रतिकूल होते है। इस अवधि के दौरान आप में आत्मविश्वास की कमी होने की संभावना है इसके साथ ही आपके जीवन में संघर्ष बना रहेगा। इस अवधि के दौरान आपके शत्रु होने की संभावना है, जो आपके जीवन में परेशानी पैदा कर सकते है। जिसकी वजह से आप चिंताग्रस्त हो सकते है। यदि शांत मन से इन समस्याओं से निपटना चाहे तो आप इन समस्याओं से अच्छे तरीके से निपट सकते है।

आपके निजी जीवन में भी संघर्ष की स्थिति बनी रहती है। आपके परिवार, प्रियजन, मित्र और सहकर्मी, आपके किसी भी संबंध में इस अवधि के दौरान सामंजस्य स्थापित नहीं हो पायेगा। जिसके कारण आप परेशान रहेंगे आपके मन को शांति नहीं मिलेगी। आपको ये सलाह दी जाती है कि आप अपने सभी रिश्तें को संभाल के रखें और सभी को साथ ले कर चलें। रिश्तों से आये मतभेद को आप शांतिपूर्ण बातचीत से सुलझा सकते है।

इसके अलावा आपके स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं भी बनी रहेगी। आपके पुराने चोट या पुरानी बिमारियाँ फिर से ताज़ा हो सकती है, जिसको ठीक करने के लिए आपको एक उचित उपचार और बेहतर इलाज की आवश्यकता है। आपको ये सलाह दी जाती है कि सेहत से संबंधित किसी भी मुद्दे को लेकर लापरवाह न रहें। अपनी सेहत का पूरा ध्यान रखें।

उपाय

- मंगल ग्रह की स्थिति को मजबूत करने के लिए आपको बेल की लकड़ी, पत्ते और फूल, खैर के पेड़ की लकड़ी, लाल फूल, महरी, साबुत लाल मिर्च, काली मिर्च और हरड़ का उपयोग कर हवन करना चाहिए। अपने घर में इन मुख्य सामग्री के साथ आप पीपल का भी उपयोग कर सकते हैं। मंगला भ्रामरी दशा के दौरान उसकी स्थिति में सुधार करने के लिए इन पेड़ों की टहनी में रहने वाले घरों का उपयोग कर सकते हैं। आपके लिए ये उपाय लाभकारी सिद्ध होगा।

- उल्का महादशा के दौरान 7 तथा 14 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी सिद्ध होगा।

उल्का - भद्रिका दशा

प्रारंभ तिथि:	9-5-2026 14:54
समाप्ति तिथि:	9-3-2027 11:54

उल्का योगिनी की आठवीं अंतर्दशा भद्रिका है। इस अवधि का समय 25 महीने का होता है तथा इसके स्वामी "बुध" को माना गया है। शनि और बुध दोनों की कृपा इस अवधि के दौरान देखी जाती है इसलिए ये अवधि आमतौर पर मिश्रित परिणाम देने के लिए जाना जाता है।

इस अवधि में आपको आर्थिक लाभ तो होगा किन्तु आपको सतर्क रहने की भी आवश्कता है। धन के नये श्रोत आपको मिल सकते है किन्तु आपको अपनी कीमती सामान के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि इस समय आपका कीमती सामान चोरी हो सकता है। यदि आपको किसी एक क्षेत्र में लाभ हासिल हो रहा है तो दूसरे क्षेत्र में आप हानि के शिकार हो सकते है। इसलिए आपको ये सलाह दी जाती है कि किसी भी मुद्दे पर फैसले को लेने से पहले उसके पक्ष-विपक्ष पर अच्छे से विचार कर लें। जल्दबाज़ी में कोई भी फैसला न लें। आपको आपके परिवार और मित्र की तरफ से शुभ समाचार मिलने की संभावना है, आप उनकी खुशियों का हिस्सा बने। इस अवधि के दौरान आप अपने मनोरंजन के लिए भी कुछ समय निकाल सकते है। आपको ये सलाह दी जाती है की अच्छे और बुरे परिस्थिति चाहे जैसी भी हो आप अपना संयम न खोये और शांत मन से कोई भी कार्य करें।

उपाय

- आप हवन के लिए हाथी के दांत, कांटेदार भूसी के फूल, छुआरे, कस्टर्ड सेब, सफेद पेठा और गन्ने से बनी वस्तुओं का उपयोग कर सकते हैं। हवन

astrologyapi.com

करते समय मुख्य सामग्रियों के साथ चिचड़ी का भी उपयोग आपको करना चाहिए। उल्का भ्रदारिका दशा के दौरान ये उपाय करने से आपको बहुत लाभ प्राप्त होगा।

- उल्का महादशा के दौरान 7 तथा 14 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी सिद्ध होगा।

सिद्धि योगिनी दशा

प्रारंभ तिथि:	9-3-2027 11:54
समाप्ति तिथि:	9-3-2034 11:54

सिद्धा सातवीं योगिनी दशा है। इसकी अवधि 7 वर्ष की होती है तथा इसके स्वामी "शुक्र" को माना गया है। शुक्र की कृपा की वजह से ये अवधि आपको अनुकूल और सुखद प्रभाव देती है। सिद्धा दशा हर प्रकार से आपका शुभ करती है। ये दशा आपके अनुकूल है जिसकी वजह से यदि आप कोई कार्य आरंभ करते है तो उसके शुभ परिणाम आपको अवश्य प्राप्त होंगे। यदि आपको किसी कार्य के न होने की आशंका है तो आप उस कार्य को यदि इस अवधि में करेंगे तो वो कार्य अवश्य पूरा होगा और आपको सफलता भी हासिल होगी।

आपके जीवन में पहले से चल रही परेशानियों से इस अवधि में आपको कुछ राहत मिल सकती है। आपके जीवन में अच्छे कार्य होंगे, आपको शुभ समाचार मिलने की संभावना है। आपको घर में शुभ अवसरों और समाचार आपको प्राप्त होंगे। आपकी रोजगार के क्षेत्र में भी उन्नति होगी जैसे आपकी आय बढ़ सकती है या आपकी पदोन्नति हो सकती है। आपके घर में शुभ अवसर आयेंगे, घर में विवाह होने की संभावना है या परिवार के किसी सदस्य को संतान प्राप्ति होगी।

यदि आप अपने व्यवसाय के क्षेत्र में कुछ अच्छा करना चाहते है तो ये अवधि आपके लिए व्यवसाय के नये अवसर ला सकती है। यदि आप कई दिनों से रोजगार की तलाश कर रहे है तो ये अवधि आपको आपके मनपसंद रोजगार दिलाने में भी मददगार साबित होगी। आपका रोजगार और व्यवसाय सही ढंग से चलने की वजह से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अच्छी आर्थिक स्थिति होने की वजह से आप घर खरीदने की योजना बना सकते है और सुख-सुविधा की सभी चीजें अर्जित कर सकते हैं। शुक्र सुंदरता और प्रेम को नियंत्रित करता है, इसलिए इस अवधि के दौरान आप अपनी सुंदरता से जुड़ी चीजों पर ध्यान देंगे। आपको कपड़े और गहने लेने का शौक है जिसकी वजह से आप नये कपड़े और गहने की खरीदारी करने से बाज़ नहीं आयेंगे। अपने विपरीत लिंग के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने की क्षमता रखते है तथा उनकी संगति का आनंद भी लेते हैं।

उपाय

- शुक्र की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए छोटी इलायची, गूलर का पौधा, सेमल के पेड़ का कोई भाग, सुगंध वाली वस्तुएं जैसे इत्र और धूप, फूल मूली के फूल के पौधे का प्रयोग कर हवन कर सकते हैं।

- सिद्धा महादशा के दौरान 6 या 13 मुखी रुद्राक्ष धारण कर आप उसके लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

astrologyapi.com

सिद्धि - सिद्धि दशा

प्रारंभ तिथि:	9-3-2027 11:54
समाप्ति तिथि:	18-7-2028 15:24

सिद्ध योगिनी की पहली अंतर्दशा "सिद्धा अंतर्दशा" है। इसकी अवधि लगभग 30 महीने और 20 दिनों की होती है तथा इसके स्वामी "शुक्र" को माना गया है। सिद्धा योगिनी दशा में जब सिद्धा की ही अंतर्दशा होती है तो हर तरफ से सिद्धि ही प्राप्त होती है, सारे बिगड़े कार्य बनते है। इस अवधि के दौरान धन, वैभव, ऐश्वर्य की वृद्धि होने लगती है, कीर्ति और राजसम्मान प्राप्त होने लगता है, प्रियजनों से प्यार और अपनापन प्राप्त होता है। इस अवधि के दौरान आपका आपके जीवनसाथी के साथ संबंध अच्छा और मजबूत रहेगा। आप एक-दूसरे के साथ ख़ुशी के पल साझा कर सकते है। इस अवधि के दौरान आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ छुट्टी पर भी जा सकते है। आपके संतान की वजह से आपको खुशखबरी भी मिलने की संभावना है।

यदि रोजगार के क्षेत्र की बात करें तो आपके रोजगार के क्षेत्र में भी तरक्की होने की संभावना है। आपको अपने रोजगार में नये अवसर प्राप्त होंगे और आपकी मेहनत और लगन से आपके वरिष्ठ आपसे खुश रहेंगे और आपके योगदान के लिए आपकी सराहना करेंगे। आपको बेहतर कार्य के लिए पुरस्कृत भी किया जा सकता है। यदि आप अपना कोई व्यापार शुरू करना चाहते है तो ये अवधि आपके लिए शुभ है और व्यापार शुरू करने के लिए ये एक अच्छा समय हो सकता है।

सिद्धि - संकटा दशा

प्रारंभ तिथि:	18-7-2028 15:24
समाप्ति तिथि:	6-2-2030 19:24

सिद्धा योगिनी की दूसरी अंतर्दशा "संकटा अन्तर्दशा" है। इसका समय 18 महीने का होता है तथा इसके स्वामी "राहु" को माना गया है। चूँकि इस अवधि पर राहु का शासन है इसलिए आपके जीवन में इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस अवधि का प्रभाव आपके व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन पर पड़ने की संभावना है। इस अवधि के दौरान आपके परिवार के लोगों को भी काफी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। आपके वैवाहिक जीवन पर भी इसका गहरा असर पड़ेगा, आपके और आपके जीवनसाथी के बीच मतभेद हो सकता है। जिसकी वजह से आपको काफी तनाव से गुजरना पड़ेगा। यदि सेहत के संबंध में बात करें तो आपको अपने और अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए। आपको रोजगार के क्षेत्र में भी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आप यदि व्यापार में निवेश करते है तो आपको उस क्षेत्र में नुकसान होने की संभावना है, आपकी नौकरी खतरे में पड़ सकती है जिसकी वजह से आपके आय के श्रोत भी कम हो सकते है। इसके अलावा यदि आपके मित्र आपसे पैसे कर्ज लेते है तो उनके द्वारा वो पैसे वापस किये जायेंगे इसकी संभावना भी बहुत कम है। आपको अपनी कीमती चीजों की हिफाजत खुद ही करनी चाहिए क्योंकि उन चीजों की चोरी होने की संभावना है। इतने सारे क्षेत्र में परेशानी झेलने की वजह से आपको ये सलाह दी जाती है कि आप शांत मन और धैर्य से काम लें और परिस्थिति को देख कर घबराये नहीं उनका डट कर सामना करें।

उपाय

- राहु को मजबूत बनाने के लिए आपको मुरमुरे, मकोय का पौधा या टहनी, अदरक, सूखे भुने हुए अनाज से बनी चीजें और बरमूडा घास का इस्तेमाल करना चाहिए। केतु को मजबूत बनाने के लिए ईख से बनी चीजें, नारियल के रेशे से बनी चीजें, सेंधा नमक, कुर्सियाँ, सोफा, गिलोय, नींबू और करहल का इस्तेमाल करना चाहिए। मुख्य सामग्री के साथ हवन करते समय हवन में हरी दूर्वा घास या ईख का इस्तेमाल करना चाहिए।

astrologyapi.com

संकटा दशा के दौरान उपाय करने से आपको बहुत लाभ होगा।

- आप अपनी सिद्ध महादशा के दौरान 6 या 13 मुखी रुद्राक्ष पहनने से लाभान्वित हो सकते हैं।

सिद्धि - मंगला दशा

प्रारंभ तिथि:	6-2-2030 19:24
समाप्ति तिथि:	18-4-2030 19:54

सिद्धा योगिनी की तीसरी अंतर्दशा "मंगला अन्तर्दशा" है। इसकी अवधि 4 महीने 21 दिनों की होती है तथा इसके स्वामी "चंद्रमा" को माना गया है। चन्द्रमा द्वारा शासित ये अवधि आपको आमतौर पर अनुकूल परिणाम देती है। ये अवधि आपके लिए सुख,धन, ऐश्वर्य लेकर आती है। ये अवधि आपके जीवन में ख़ुशी और आनंद का अग्रदूत है। आपको अपने करियर में तरक्की हासिल होगी, आप जिस रोजगार की तलाश कर रहे है वो रोजगार आपको इस अवधि में प्राप्त हो सकती है। आपकी नौकरी में पदोन्नति हो सकती है या आय वृद्धि हो सकती है। पहले से रुके हुए सभी कार्य आपके इस अवधि में पूरे होंगे।

पारिवारिक तथा वैवाहिक जीवन सुखमय होगा। आपके रिश्तेदार और आपके बच्चों से आपको कुछ खुशखबरी मिलने की संभावना है। आपका वैवाहिक जीवन आनंदमय होगा, आपके जीवनसाथी के साथ बेहद खुश महसूस करेंगे और हर परिस्थिति में आपको उनका साथ मिलता रहेगा।

इस अवधि में आपको आर्थिक लाभ भी प्राप्त होंगे, व्यवसाय में किये गए निवेश से आपको लाभ मिलने की संभावना है। चूँकि आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी है इसलिए आप आराम और विलासिता की हरसंभव चीज को प्राप्त करने की कोशिश करेंगे।

ये अवधि आपके लिए बेहद अनुकूल है यदि आप कड़ी मेहनत और लगन से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश करते है तो आपके सभी लक्ष्य भी पूरे होंगे और आप अपनी इच्छाओं को पूरा करने का भी सामर्थ्य रखते है।

सिद्धि - पिंगला दशा

प्रारंभ तिथि:	18-4-2030 19:54
समाप्ति तिथि:	7-9-2030 20:54

सिद्धा योगिनी की चौथी अन्तर्दशा "पिंगला अंतर्दशा" है। इसकी अवधि लगभग 7 महीने की होती है तथा इसके स्वामी "सूर्य" को माना गया है। सूर्य के प्रभाव की तरह इस अवधि का परिणाम भी कठोर और प्रतिकूल देने के लिए जाना जाता है। ये अवधि आपके जीवन में अनेक चुनौतियां लेकर आती है, जिसका आपको हर हाल में सामना करना पड़ता है। इस अवधि के दौरान आप में आत्मविश्वास की कमी होगी तथा आपको स्वभाव से अभिमानी और जिद्दी हो सकते है। आपके स्वभाव में इस प्रकार का बदलाव भी आपके लिए कठिनाई का कारण बन सकता है।

सूर्य का प्रकोप आपके व्यक्तिगत जीवन पर भी पड़ता है और आपकी आपके परिवार और मित्र से लड़ाई हो सकती है। आप उनसे इस हद तक बहस कर लेंगे कि आगे आने वाले समय में जब कभी आपको उनकी मदद की जरूरत होगी तो वो आपको मदद करने से इंकार कर सकते हैं। इसलिए आपको ये सलाह दी जाती है कि अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखें और दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक तरीके का व्यवहार करें।

इस अवधि के दौरान आपको कुछ बुरी आदत भी लग सकती है और इस चक्कर में आप अपना बहुत सारा धन फिजूलखर्च कर देंगे या अपने उपयोग के लिए दूसरे के धन का दुरुपयोग करने की भी संभावना है। आप अपने मनोरंजन के विचार में अपना और अपने परिवार के लोगों का बहुत सारा धन

astrologyapi.com

पानी में डूबो सकते है। आपकी ये गतिविधियां आपके जीवन में अनेक परेशानी खड़ी कर सकता है।

इस अवधि में आपके ऊपर खतरा मंडरा सकता है जिसकी वजह से आपकी दुर्घटना होने की संभावना है। आपको आग या आग की किसी भी पदार्थ से दूर रहने की सलाह दी जाती है क्योंकि आग आपके लिए इस अवधि के बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। आपको ये सलाह दी जाती है कि इस अवधि के दौरान आप अपना ख्याल रखें और अपने स्वभाव को नियंत्रण में रखें।

सिद्धि - धान्य दशा

प्रारंभ तिथि:	7-9-2030 20:54
समाप्ति तिथि:	8-4-2031 22:24

सिद्धा योगिनी की पाँचवीं अन्तर्दशा "धान्या अंतर्दशा" है। इसकी अवधि लगभग 9 महीने 11 दिनों की होती है तथा इसके स्वामी "बृहस्पति" को माना गया है। इस दशा में शनि के प्रभाव के बाद भी इसकी धान्या अंतर्दशा में बृहस्पति के प्रभाव की वजह से ये अवधि अनुकूल परिणाम देने में सक्षम है। ऐसा माना जाता है कि बृहस्पति भाग्य लेकर आता है जिसकी वजह से इस अवधि में आपको सौभाग्य प्रदान करता है।

ये अवधि ज्यादातर लोगों के लिए भाग्यशाली होता है और इस अवधि के दौरान आपको आपके पिछले पापों से मुक्ति मिलती है और आपके अच्छे कर्मों का परिणाम आपको प्राप्त होता है।

व्यवसाय के क्षेत्र की यदि बात करें तो ये अवधि आपके रोजगार को आगे बढ़ाने के अवसर ला सकती है और इस अवधि में आपको लाभ भी प्राप्त होंगे। रोजगार के क्षेत्र में आपको बेहतर अवसर प्राप्त होंगे जैसे आपकी वेतन में बढ़ोत्तरी हो सकती है या फिर पदोन्नति हो सकती है। व्यापार कर रहे लोगों के लिए भी ये अवधि फलदायी हो सकती है। आपका कोई कार्य जो पहले से अटका हुआ है वो इस अवधि के दौरान पूरा होने की संभावना है। यदि आप कोई नयी परियोजना शुरू करना चाहते है तो इससे बेहतर समय आपके लिए कोई और नहीं होगा। इस समय आपको अपनी परियोजना को पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन इस अवधि के बाद न मिलने की संभावना है। इसलिए आपको ये सलाह दी जाती है कि आपके जो भी कार्य है आप कोशिश करें कि इस अवधि के दौरान जो सभी कार्य पूरे हो जाये।

सिद्धि - भ्रामरी दशा

प्रारंभ तिथि:	8-4-2031 22:24
समाप्ति तिथि:	18-1-2032 0:24

सिद्धा योगिनी की छठी अंतरदशा "भ्रामरी अंतर्दशा" है। इसकी अवधि लगभग 11 महीने और 20 दिनों की होती है तथा इसके स्वामी "मंगल" को माना गया है। इस अवधि में शनि की दशा तथा मंगल की अंतर्दशा मौजूद होती है जिसकी वजह से ये मिश्रित परिणाम देने के लिए अनुकूल है।

यह अवधि न तो बहुत अच्छा फल देती है और न ही बहुत बुरा फल देती है। ये अवधि यदि आपके जीवन में कठिन परिस्थिति लाता है तो उससे निकलने के उपाय भी यदि अवधि प्रदान करती है। ये अवधि आपके पारिवारिक जीवन तथा रोजगार के क्षेत्र दोनों ही स्थिति में आपको उम्मीद में अवसर और चुनौती दोनों प्रदान करती है। इस अवधि के दौरान आपको अपने कार्य के सिलसिले में विदेश जाने की संभावना बन सकती है, और आपका ये प्रवास काल अपने जितना सोचा उससे अधिक बढ़ भी सकता है। ऐसी भी संभावना है कि आप विदेश में बस सकते है यदि आप विदेश में बसना मंजूर नहीं करते है तो भी आप अपने घर में नहीं रह पायेंगे, आपको अपने घर से दूर रहना ही पड़ेगा। यदि आप अपने घर का त्याग कर अपनी रोजगार के लिए बाहर आते है तो आपके जीवन का ये बदलाव आपके पक्ष में काम कर सकता है।

astrologyapi.com

यदि इस अवधि के नकारात्मक पक्ष की बात करें तो ये अवधि आपके लिए कुछ कठिनाई भी लाती है। आप सरकारी दस्तावेजों और अपने आय-व्यय के हिसाब के सभी कागज को हमेशा तैयार रखें क्योंकि सरकार आपसे ये सभी दस्तावेज कभी भी मांग सकती है और यदि उस वक़्त ये कागज आपके पास पूरे न हो तो अधिकारियों के द्वारा आप दण्डित भी हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान ऐसी संभावना है कि आप बुरी संगत में पड़ सकते है या आपको बुरी आदतें लग सकती है। आपको ये सलाह दी जाती है कि इस अवधि के दौरान अच्छे और बुरे दोनों वक़्त में अपना संयम न खोएं और समझदारी से काम लें।

सिद्धि - भद्रिका दशा

प्रारंभ तिथि:	18-1-2032 0:24
समाप्ति तिथि:	7-1-2033 2:54

सिद्धा योगिनी की सातवीं अंतर्दशा "भद्रिका अंतर्दशा" है। इसकी अवधि लगभग 13 महीने 29 दिनों की होती है तथा इसके स्वामी "बुध" है। बुध के प्रभाव की वजह से इस अवधि के परिणाम भी आपके अनुकूल होंगे। ये अवधि आपके लिए ख़ुशी, धन, वैभव इत्यादि लेकर आएगा। आपको ख़ुशी तथा जश्न मनाने के कई मौके इस अवधि के दौरान मिलेंगे। ये अवधि आपके लिए खुशखबरी लेकर आ सकता है। आपके पारिवारिक जीवन में भी सुखमय माहौल रहेगा और आप अपने परिवार तथा मित्र के साथ जश्न मनाने के मौके प्राप्त करेंगे।

इस अवधि के दौरान आपकी आर्थिक तंगी भी दूर होगी जिसकी वजह से आप अपने घर को एक नया रूप देने तथा घर की साज-सज्जा के लिए अनेक संसाधन जुटाने में सक्षम होंगे। आप अच्छी आदतों को अपनी जीवन शैली में शामिल करेंगे और अपने जीवन को अपनी शर्तों पर जीने की क्षमता रखते है।

यदि आपके स्वास्थ्य की बात की जाये तो आपका स्वास्थ्य इस अवधि में सही रहेगा और आपको अपने स्वस्थ जीवन के निर्माण के लिए इस अवधि का लाभ उठाना चाहिए। अपने स्वस्थदिनचर्या की वजह से आपको नयी ऊर्जा का आभास होगा।

कार्यक्षेत्र में भी आपको लाभ प्राप्त होगा, आपका संबंध आपके सहकर्मी और वरिष्ठों के साथ आपके संबंध में सुधार हो सकता है, जिससे आपके लिए अपना लक्ष्य हासिल करना आसान हो जायेगा। यदि आप कोई नया कार्य शुरू करने की इच्छा रखते है तो ये अवधि आपके कार्य को शुरू करने के लिए अनुकूल है। आपको सलाह दी जाती है कि आप चाहे जो भी कार्य करें बस पूरी लगन के साथ करें और इस अवधि का भरपूर लाभ उठायें।

सिद्धि - उल्का दशा

प्रारंभ तिथि:	7-1-2033 2:54
समाप्ति तिथि:	9-3-2034 11:54

सिद्धा योगिनी की आठवीं और अंतिम अंतर्दशा "उल्का अंतर्दशा" है। इसकी अवधि लगभग 9 महीने 11 दिनों को होती है तथा इसके स्वामी "शनि" है। शनि की दशा में शनि की अंतर्दशा होने की वजह से ये अवधि प्रतिकूल परिणाम ही देती है। शनि द्वारा शासित चरण आमतौर पर आसान नहीं होता है।

इस अवधि में आपके आत्मविश्वास में कमी होने की संभावना है साथ ही आपके जीवन में कष्ट और क्लेश भी बना ही रहेगा। इस अवधि के दौरान आपको जीवन के हर कदम पर चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। रोजगार के क्षेत्र में भी आपको हानि होने की संभावना है, आपके वरिष्ठ अधिकारी आपसे किसी बात को लेकर दुखी हो सकते है जिसकी वजह से आपकी नौकरी पर भी खतरा हो सकता है। आपकी आय में कटौती या नौकरी जाने की वजह से आपको धन हानि का दुःख भी सहना पड़ेगा। अपने व्यापार के मामले में आप सोच समझ कर फैसला लें क्योंकि एक भी

astrologyapi.com

गलत फैसला आपको वित्तीय नुकसान की खायी में धकेल सकता है और इसकी वजह से आपकी इज्जत-प्रतिष्ठा भी संकट में पड़ सकती है।

आपके वैवाहिक जीवन पर भी इस अवधि का प्रतिकूल प्रभाव ही पड़ेगा। जीवनसाथी के साथ आपके प्रेम में कमी आ सकती है, आप दोनों के बीच किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते है। ये अवधि आपके प्रेम भरे स्वभाव को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा जिसका सीधा असर आपके प्रियजनों और आपके बच्चों पर पड़ेगा।

यदि स्वास्थ्य की बात करें तो स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह अवधि बहुत अच्छी नहीं हो सकती है। आपको स्वस्थ रहने के लिए एक स्वस्थ जीवन शैली का पालन करने और सावधानी बरतने की आवश्यकता है। अगर आपको कोई भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या का आभास होता है, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें और उनकी बताई गयी बात का पालन करें। आपको एक बात समझने की आवश्यकता है कि समय चाहे कितना भी बुरा हो वो एक न एक दिन गुजर ही जाता है इसलिए आपको इस अवधि के दौरान घबराने की आवश्यकता नहीं है यदि आप शांत मन और संयम से काम लेंगे तो हर परेशानी से पार पा लेंगे।

- आप अपनी सिद्ध महादशा के दौरान 6 या 13 मुखी रुद्राक्ष पहनने से लाभान्वित हो सकते हैं।

astrologyapi.com

संकटा योगिनी दशा

प्रारंभ तिथि:	9-3-2034 11:54
समाप्ति तिथि:	9-3-2042 11:54

संकटा योगिनी दशा की आठवीं दशा है। इसकी अवधि 8 वर्षो की है तथा इसके स्वामी "राहु" को माना गया है। राहु के प्रकोप की वजह से इस अवधि का परिणाम प्रतिकूल होता है। जैसा कि सभी जानते है कि राहु को दुर्भाग्य, दुख और शोक लाने के लिए जाना जाता है, इसलिए इस अवधि के दौरान भी आपको अपने जीवन के सभी पहलुओं में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

आपके रोजगार के क्षेत्र में भी स्थिति आपके अनुकूल नहीं होने की संभावना है। ऐसी संभावना है कि कार्य क्षेत्र में आपको आपके वरिष्ठ आपके विचार से सहमत नहीं होंगे और आपके लक्ष्य को प्राप्त करने में आपका समर्थन न दें। अपने सहकर्मी के साथ भी आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको ये सलाह दी जाती है कि बातचीत के दौरान आप शांत और विनम्र रहने की कोशिश करें क्योंकि आपका ये व्यवहार आपकी नौकरी पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता हैं। व्यापार के क्षेत्र में यदि आप आगे बढ़ना चाहते है तो आपको हानि होने की संभावना है। आपको अपने जीवन में अनेक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आप अपने कार्यक्षेत्र में कुछ कानूनी मुद्दों में भी फंस सकते है जिसकी वजह से आपको कारावास भी हो सकता है या जुर्माना भरना पड़ सकता है। आप समझ में होनी इज्जत, प्रतिष्ठा खो सकते सकते है। आपको ये सलाह दी जाती है कि आप किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल न हो।

इस अवधि के दौरान आप अपने किसी प्रियजन को खो सकते है। इस अवधि के दौरान आपके बच्चों को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, ऐसी संभावना है कि उसको उनके मन के हिसाब के विद्यालय में नामांकन न मिलें या परीक्षा का परिणाम मन के अनुकूल न हो । आपको इस अवधि के दौरान अपने मन को शांत रखने की कोशिश करें और जल्दबाजी में कोई भी फैसला लेने से बचें।

उपाय

- राहु की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए गगूल, मुरमुरे, मकोय का पौधा या टहनी, अदरक या सूखी अदरक, सूखे तले हुए अनाज से बनी चीजें और बरमूडा घास का उपयोग कर करके हवन कर सकते हैं। केतु की स्थिति को मजबूत करने के लिए ईख से बनी वस्तुएं, नारियल के रेशे से बनी वस्तुएं, सेंधा नमक, कुर्सियां, सोफा, गिलोय, नींबू और करहल के बीज का प्रयोग आप हवन में कर सकते हैं।

- राहु केतु विकट महादशा के दौरान 9 मुखी रुद्राक्ष धारण करना आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

संकटा - संकटा दशा

प्रारंभ तिथि:	9-3-2034 11:54
समाप्ति तिथि:	18-12-2035 19:54

संकटा योगिनी की पहली अंतर्दशा "संकटा अंतर्दशा" है। इसकी अवधि लगभग 3 महीने और 20 दिनों की होती है तथा इसके स्वामी "राहु" है। राहु की दशा में राहु की अंतर्दशा होने की वजह से इस अवधि के परिणाम भी प्रतिकूल होते है। आपको जीवन में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आमतौर पर यह एक प्रतिकूल अवधि ही है। इस अवधि के दौरान आपको रोजगार के क्षेत्र में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

astrologyapi.com

आपको आपके वरिष्ठ अधिकारियों की नाराजगी, काम करने में बाधा इत्यादि का सामना करना पड़ सकता है। सरकारी कार्यों में भी कोई न कोई बाधा लगी रहती है इसके साथ ही आपको अपनी वर्तमान नौकरी को छोड़ कर किसी दूसरे जगह भी जाना पड़ सकता है।

आपको ये सलाह दी जाती है कि आप केवल अपने काम पर अपना ध्यान केंद्रित रखने की कोशिश करें और ये सुनिश्चित करें कि आप अपने नियोक्ता द्वारा निर्धारित किसी भी प्रणाली, प्रक्रियाओं, नियमों का पालन करते हैं।

इस अवधि के दौरान आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर हो सकती है जिसके अनेक कारण होंगे। आपकी आय में कटौती हो सकती है और व्यापार में किये गए निवेश में भी आपको नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आपको ये सलाह दी जाती है कि आप अपनी कमाई में से कुछ बचत करने की कोशिश करें जो इस कठिन परिस्थिति के आपके लिए लाभप्रद साबित होगी। इस अवधि के दौरान आप अपने और अपने प्रियजनों की सेहत का ध्यान रखें क्योंकि इस अवधि में आपको अपने किसी प्रियजनों के खोने की संभावना है।

उपाय

- राहु को मजबूत करने के लिए आपको मुरमुरे, मकोय का पौधा या टहनी, अदरक या सोंठ, सूखे तले हुए अनाज से बनी चीजें और बरमूडा घास का उपयोग करना चाहिए। केतु की स्थिति को मजबूत करने के लिए ईख से बनी वस्तुएं, नारियल के रेशे से बनी वस्तुएं, सेंधा नमक, सोफ, गिलोय, नींबू का प्रयोग हवन के लिए कर सकते हैं। हवन करते समय मुख्य सामग्रियों के साथ-साथ हरी दूर्वा घास या ईख का भी हवन में प्रयोग करना चाहिए। संकटा दशा के दौरान ये उपाय करने से आपको अत्यंत लाभ प्राप्त होगा।

- विकट महादशा के दौरान 9 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

संकटा - मंगला दशा

प्रारंभ तिथि:	18-12-2035 19:54
समाप्ति तिथि:	8-3-2036 23:54

संकटा योगिनी की दूसरी अंतर्दशा "मंगला अंतर्दशा" है। इसकी अवधि 6 महीने 11 दिनों की होती है तथा इसके स्वामी "चंद्रमा" को माना गया है। चंद्रमा के प्रभाव की वजह से इस अवधि के परिणाम भी प्रतिकूल ही होते है। इस अवधि का असर आपके मानसिक और शारीरिक दोनों स्थिति पर पड़ता है।

इस अवधि के दौरान आपको अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आपको मस्तिष्क संबंधी समस्या का हो सकती है, जिसका ईलाज करवाना आपके लिए बेहद जरूरी होगा। आपको अपने साथ-साथ अपने परिवारजनों तथा अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना चाहिए। इस अवधि के दौरान आपकी माता पर स्वास्थ्य संबंधी खतरा हो सकता है, इसलिए आपको ये सलाह दी जाती है कि अपने परिवार का एक निर्धारित नियमित स्वास्थ्य जांच करवाते रहें ताकि भविष्य में आने वाले किसी भी खतरे को टाला जा सके।

यदि व्यक्तिगत संबंध की बात करें तो आपके परिवार और आपके जीवनसाथी दोनों के साथ आपके तालमेल ठीक नहीं बैठने की संभावना है। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी हो सकती है जिसकी वजह आपके बीच मतभेद होने की संभावना है। आपको ये सलाह दी जाती है कि ऐसी परिस्थिति में बात को आगे न बढ़ने दें और जीवनसाथी के साथ बैठ कर बातचीत कर के अपने बीच की इस गलतफहमी को दूर करने का प्रयास करें। अन्यथा ये ग़लतफ़हमी आपके रिश्ते को ख़राब कर देगी।

चंद्रमा का स्वभाव है मन और भावनाओं पर शासन करना ऐसे में इस अवधि के दौरान आप मानसिक और भावनात्मक रूप से पीड़ित हो सकते है। लगातार बने इस तनाव और प्रतिकूल परिस्थिति आपको अस्वस्थ्य बना सकती है इसके साथ ही आप बुरी आदतों के शिकार हो सकते है। इस अवधि

astrologyapi.com

के दौरान आपको ये सलाह दी जाती है कि आप अपने विवेक से काम लें और अपने मन को शांत रखने की कोशिश करें।

संकटा - पिंगला दशा

प्रारंभ तिथि:	8-3-2036 23:54
समाप्ति तिथि:	18-8-2036 7:54

संकटा योगिनी की तीसरी अन्तर्दशा "पिंगला अंतर्दशा" है। इसकी अवधि 9 महीने की होती है तथा इसके स्वामी "सूर्य" को माना गया है। सूर्य के कठोर प्रभाव का असर इस अवधि पर भी पड़ता है जिसकी वजह से ये अवधि भी प्रतिकूल परिणाम देता है। इस अवधि के दौरान आपको मानसिक परेशानी हो सकती है इसके साथ ही आपको अपने व्यक्तिगत संबंध में भी कुछ समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

इस अवधि के दौरान आपके कई शत्रु हो सकते है, जो आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते है या आपको परेशानी में डाल सकते है। इस स्थिति की वजह से आप तनाव में रह सकते है। इस अवधि के दौरान आपके बच्चें दुःखी और परेशान रह सकते है या फिर आपको आपके बच्चों से संबंधित कोई दुखी करने वाले समाचार मिल सकते है। ऐसी भी संभावना है कि इस अवधि के दौरान आपके बच्चें का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। आपको ये सलाह दी जाती है कि अपने बच्चों के साथ कुछ समय बिताने की कोशिश करें ताकि आपके बच्चें अपनी परेशानी आपके साथ साझा कर सके और आप उनकी समस्या का निदान ढूंढ पायें।

आर्थिक रूप से भी ये समय आपके लिए भारी सिद्ध होगा आपको कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपके रोजगार के क्षेत्र में आपको खतरा हो सकता है जैसे आपकी आय कम हो सकती है या आपकी नौकरी जा सकती है या फिर आपको व्यापार के निवेश में नुकसान हो सकता है। आपको अपनी कीमती चीजों को संभाल के रखने की आवश्यकता हो क्योंकि आपके घर चोरी होने की भी संभावना है।

आपको ये सलाह दी जाती है कि इस अवधि के दौरान आप सतर्क रहें और अपने दिमाग को शांत रखने की कोशिश करें।

उपाय

- आप पलाश के पेड़ के उत्पादों जैसे लकड़ी, फूल और पत्तियों का उपयोग कर सकते हैं। सफेद चंदन, सीपियां, पानी और रेशे वाला नारियल तथा नारियल के रेशों से बनी वस्तुओं का उपयोग करना भी आपके लिए लाभकारी रहेगा। हवन करते समय मुख्य सामग्रियों के साथ-साथ पलाश, डाक के पत्ते और टहनियों का भी उपयोग करना चाहिए। संकट मंगल दशा के दौरान उपाय करने से आपको अत्यंत लाभ प्राप्त होगा।

- विकट महादशा के दौरान 9 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

संकटा - धान्य दशा

प्रारंभ तिथि:	18-8-2036 7:54
समाप्ति तिथि:	18-4-2037 19:54

संकटा योगिनी की चौथी अंतर्दशा "धन्या अंतर्दशा" है। इसकी अवधि 11 महीने 20 दिनों की होती है तथा इसके स्वामी "बृहस्पति" को माना गया

astrologyapi.com

है। बृहस्पति और राहु दोनों के प्रभाव की वजह से इस अवधि का परिणाम भी दोनों ग्रहों के हिसाब से मिश्रित ही प्राप्त होता है। ये अवधि आपके लिए शुभ और अशुभ दोनों तरह के परिणाम लाता है। बृहस्पति को सौभाग्य लाने वाला माना जाता है इसलिए इसपर राहु का असर भी बहुत कम होता है।

यदि इस अवधि के शुभ प्रभाव की बात करें तो आपके रोजगार के क्षेत्र के क्षेत्र में ये अवधि शुभ प्रभाव देता है। इस अवधि के दौरान आपके भविष्य के लिए बेहतर मार्ग खुलेंगे और आपको विदेश जाने के अवसर प्राप्त होंगे। आपको विदेश में भी अच्छे ऑफर और अच्छे संबंध स्थापित करने के मौके मिलेंगे।

व्यक्तिगत संबंध के क्षेत्र में भी आपको शुभ परिणाम मिलने की संभावना है। आपको अपने बच्चों से अच्छी खबर मिलने की संभावना है। इस अवधि में आप अपने पारिवारिक सुख और शांति का आनंद लेंगे और अपनी छुट्टियों का वक्त अपने परिवार के साथ बिता सकते है।

इस अवधि के अशुभ पक्ष में आपका स्वास्थ्य आता है। स्वास्थ्य की यदि बात करें तो ये अवधि आपके स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल भी शुभ नहीं है। आपको पेट, सर्दी-खांसी, दस्त इत्यादि जैसी समस्याएं लगी ही रहेगी। आपको ये सलाह दी जाती है कि इस अवधि में आप अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और नियमित स्वास्थ्य जांच करवाते रहें।

उपाय

- आप बेलपत्र, कमल के बीज, महुआ के पेड़ के फूल, लाल चंदन, आक के पेड़ के फूल, पत्ती और लकड़ी तथा आंवला जैसी वस्तु अपने पास रख सकते हैं। इनमें से एक या एक से अधिक वस्तुएं रखने से आपको लाभ होगा क्योंकि इन वस्तुओं से भगवान सूर्य प्रसन्न होंगे। हवन करते समय मुख्य सामग्री के साथ-साथ आक का भी प्रयोग करना चाहिए। मंगला पिंगला दशा के दौरान इन उपायों को करना लाभकारी सिद्ध होगा।

- विकट महादशा के दौरान 9 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

संकटा - भ्रामरी दशा

प्रारंभ तिथि:	18-4-2037 19:54
समाप्ति तिथि:	9-3-2038 11:54

संकटा योगिनी की पांचवीं अंतर्दशा "भ्रामरी अंतर्दशा" है। इसकी अवधि लगभग 13 महीने और 10 दिनों की होती है तथा इसके स्वामी "मंगल" है। मंगल के प्रभाव की वजह से इस अवधि का परिणाम भी प्रतिकूल होता है। ये अवधि आपके लिए धन, वैभव, ऐश्वर्य के क्षेत्र में चिंताएं लेकर आता है।

ये अवधि आपके करियर के हिसाब से परेशानी का कारण बन सकता है, इसमें आपको आगे बढ़ने के मौके तो मिलेंगे किन्तु उसमे बाधा भी बहुत आयेगी। आपको विदेश यात्रा के मौके मिलेंगे किन्तु आपको इस तरह के मौकों की पूरी जांच कर लेने के बाद ही आगे की योजना बनानी चाहिए। यदि आपको विदेश यात्रा के अवसर नहीं मिलते है तो आपको बेहतर रोजगार के मौकों के लिए अपने घर से दूर रहना पड़ सकता है।

इस अवधि में आपको अपने शत्रु से सावधान रहना चाहिए क्योंकि वो आपको नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश करेंगे किन्तु आपका कुछ बिगाड़ नहीं पायेंगे। हालांकि इस सब की वजह से आपको मानसिक और भावनात्मक तनाव हो सकता है। इसलिए आपको ये सलाह दी जाती है कि आप किसी भी कार्य को करते हुए या किसी से बात करते हुए अपने मन को शांत रखें और जल्दीबाज़ी में कोई फैसला न लें।

इस अवधि के दौरान आपको स्वास्थ्य संबंधी भी चिंता घेर सकती है इसलिए आपको अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखना चाहिए।

astrologyapi.com

उपाय

- बेल की लकड़ी, पत्ते और फूल, खैर के पेड़ की लकड़ी, लाल फूल, ब्राह्मी, साबुत लाल मिर्च, काली सरसों और हरड़ का उपयोग आपके मंगल को बल देने के लिए किया जाना चाहिए। मुख्य सामग्री के साथ हवन करते समय, हवन में पीपल के पेड़ की शाखा, पत्तियों का उपयोग करना चाहिए। संकटा भ्रामरी दशा के दौरान उपाय करने से आपको बहुत लाभ होगा।

- आप अपनी विकट महादशा के दौरान 9 मुखी रुद्राक्ष पहनने से लाभ उठा सकते हैं।

संकटा - भद्रिका दशा

प्रारंभ तिथि:	9-3-2038 11:54
समाप्ति तिथि:	19-4-2039 7:54

संकटा योगिनी की छठी अंतरदशा "भद्रिका अंतर्दशा" है। इसकी अवधि लगभग 16 महीने और 2 दिनों की होती है तथा इसके स्वामी के रूप में "बुध" को माना गया है। बुध के प्रभाव की वजह से ये अवधि अनुकूल परिणाम देने में सक्षम है। इस अवधि में आपको धन, वैभव की प्राप्ति होगी।

ये अवधि आपके जीवन में लगातार चल रही परेशानी से राहत देगा। इस अवधि में आपके संबंध बेहतर होंगे तथा आपको आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे।

ये अवधि आपके लिए आसान तो नहीं होगा किन्तु अपनी मेहनत से आप पहले से चली आ रही परेशानी से निजात पा सकते है। इस अवधि में आप कई सारी ज्ञान की चीजें सीख सकते है। यदि आप कोई ऐसी पढ़ाई करना चाहते है जो कि आप कई दिनों से चाह रहें थे किन्तु आपको मौका नहीं मिल रहा था तो ये अवधि आपके लिए सही समय है उन चीजों में अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए। जो लोग रोजगार के क्षेत्र में बेहतर करना चाहते है उनकी बेहतर नौकरी की तलाश इस अवधि में पूरी हो सकती है साथ ही आपके आय वृद्धि या पदोन्नति की भी संभावना है।

आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा, आपकी स्थिति पहले से अच्छी होगी। पैसे की तंगी दूर होने की वजह से आप अपने महंगे शौक पूरे करने की कोशिश करेंगे। आराम और सुख-सुविधा की सारी चीजें आप खरीद सकते है। आपको ये सलाह दी जाती है कि यदि आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हुई है तो ये काफी अच्छी बात है किन्तु आपको अपने धन का खर्च थोड़ा संभल के करना चाहिए ताकि कभी किसी मुसीबत में आपके बचाये हुए धन आपके काम आ सके। आप जल्दबाज़ी में कोई फैसला न लें और किसी भी चीज पर विचार शांत मन से करें।

संकटा - उल्का दशा

प्रारंभ तिथि:	19-4-2039 7:54
समाप्ति तिथि:	18-8-2040 7:54

संकट योगिनी की सातवीं अंतर्दशा "उल्का अंतर्दशा" है। इसकी अवधि लगभग 18 महीने और 18 दिनों की होती है तथा इसके स्वामी के रूप में "शनि" को माना जाता है। राहु की दशा में शनि की अंतर्दशा होने की वजह से इस अवधि में कोई न कोई परेशानी लगी ही रहती है तथा ये अवधि आमतौर पर प्रतिकूल अवधि मानी जाती है।

इस अवधि के दौरान आपके जीवन में चुनौतीपूर्ण स्थिति बन सकती है। इस अवधि के दौरान सबसे प्रमुख चिंता का विषय आपके लिए आपका

astrologyapi.com

स्वास्थ्य होगा। इस अवधि के दौरान आपको अपनी सेहत का ख्याल रखने की आवश्यकता है। इस अवधि के दौरान आपको कोई गंभीर घातक बीमारी होने की संभावना है। इसलिए आपको ये सलाह दी जाती है कि आप नियमित तौर पर अपने स्वास्थ्य की जाँच करवायें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत अपने डॉक्टर की सलाह लें।

आर्थिक रूप से भी आपको अनेक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में किये गए निवेश में आपको हानि हो सकती है या आप किसी प्रकार की धोखाधड़ी का शिकार हो सकते है। आपकी आय में कौटती या नौकरी जाने की संभावना भी बन सकती है। आपको ये सलाह दी जाती है कि आप अपने पैसों को खर्च करते हुए थोड़ी सावधानी बरते ताकि आप कुछ पैसों की बचत कर सकें। आपको इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए की पैसे का निवेश कहाँ और कैसे किया जाना चाहिए ताकि हानि की संभावना बहुत कम बने। धन की कमी की वजह से आपको अपनी विलासिता भरी ज़िंदगी की कुछ चीजों का भी त्याग करना पड़ सकता है।

कांटेदार पौधों का उपयोग करें। हवन करते समय मुख्य सामग्रियों के साथ-साथ शमी/खेजड़ी के पेड़ या सेमल की शाखा, पत्ते या टहनी का भी हवन में उपयोग कर सकते हैं। संकटा तथा उल्का दशा के दौरान उपाय करना आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

- विकट महादशा के दौरान 9 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

संकटा - सिद्धि दशा

प्रारंभ तिथि:	18-8-2040 7:54
समाप्ति तिथि:	9-3-2042 11:54

संकटा योगिनी की आठवीं और अंतिम अंतर्दशा "सिद्धा अंतर्दशा" है। इसकी अवधि केवल 10 दिनों को मानी जाती है तथा इसके स्वामी के रूप में "शुक्र" को जाना जाता है। शुक्र के प्रभाव की वजह से इस अवधि का परिणाम भी आपके जीवन में अनुकूलता और अच्छे समाचार ही लेकर आता है।

ये अवधि आपकी जीवन में चल रही परेशानी को दूर करने में आपकी मदद कर सकती है। इस अवधि के दौरान आपको अपने लक्ष्य को प्राप्त करने तथा जीवन में आगे बढ़ने के अनेक मौके मिलेंगे। इस अवधि के दौरान आपके आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी होगी जिसकी वजह से आपको आवश्यक समर्थन, प्रोत्साहन और ऊर्जा मिल सकती है। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से खुश हो कर आपको ईनाम दे सकते है और आपकी आय वृद्धि या पदोन्नति की उम्मीद भी बढ़ जाती है। आपके लिए ये अवधि एक सकारात्मकता लेकर आएगा जिसमे आप अपने किसी भी कार्य को अंजाम दे सकते हैं, इसलिए ये अवधि आपकी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए भी बिल्कुल सही साबित होगा। इस अवधि में आपको अन्य कोई परेशानी नहीं रहेगी जिसकी वजह से आप अपना पूरा ध्यान अपनी परियोजना पर लगा सकते है।

ये अवधि आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होगा, इस अवधि में आप मन से शांत और स्थिर महसूस करेंगे।

आपका व्यक्तिगत जीवन भी इस अवधि के दौरान बहुत अच्छा रहेगा। आपके परिवार और जीवनसाथी के साथ संबंध प्रगाढ़ होंगे साथ ही आपके बच्चें आपको अपनी पढ़ाई या नौकरी से जुड़ी कुछ खुशखबरी सुना सकते है। आपको अपने जीवनसाथी और बच्चों से साथ समय व्यतीत करने का मौका भी मिलेगा। आपके परिवार वाले आपसे बेहद खुश रहेंगे।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी आपको चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है किन्तु फिर भी आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए ताकि भविष्य में भी किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। आपको सलाह दी जाती है कि आपको जो अवसर प्राप्त हो रहें है, उन अवसरों का अच्छी तरह से उपयोग करें और अधिक से अधिक लाभ कमा सकें ताकि कल को आपको किसी भी बात की ग्लानी न रहें कि आपने सही समय पर सही फैसला नहीं लिया।

astrologyapi.com

Astrology API

https://www.astrologyapi.com
+91 (22) 35715833
mail@astrologyapi.com